श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 92 ग्वालियर, सोमवार 02 नवंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

शहीद थाना प्रभारी दिलीप पुरी के परिवार को एक करोड़ की सहायता, पत्नी को एसआई की नौकरी

भोपाल जीएनएस

देवास जिले के खातेगांव में कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए थाना प्रभारी दिलीप पुरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देने और उनकी पत्नी को उप निरीक्षक (एसआई) के पद पर नियुक्ति देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर शोक संदेश



जारी कर घटना को अत्यंत दुखद और पीड़ादायक बताया। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले की जांच के लिए स्पेशल डीजी उपेंद्र जैन को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया है।

ट्रक से कुचलकर हुई थी मौत : जानकारी के अनुसार, खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी को अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी। वे हरदा-नेमावर हाईवे पर संदिग्ध ट्रक क्रमांक एमपी 43 एच 4786 को रोकने पहुंचे थे। इसी दौरान ट्रक चालक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दिलीप पुरी वर्ष 2007 बैच के पुलिस अधिकारी थे।

देवास की घटना के दोषियों पर होगी कठोरतम कार्रवाई : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल जीएनएस

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने देवास जिले में अवैध शराब से भरे ट्रक को पकड़ने की कार्रवाई के दौरान पुलिस जवान की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है और राज्य सरकार इसे पूरी गंभीरता से ले रही है। मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी (टीआई) और पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए ट्रक को पकड़ा था। इसी दौरान ट्रक की चपेट में आने से एक बहादुर और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस जवान की मृत्यु हो गई।

महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तहत भाषण प्रतियोगिता आयोजित

सरदार पटेल ने रियासतों का एकीकरण कर मजबूत राष्ट्र की नींव रखी : प्रो. शर्मा

ग्वालियर जीएनएस

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में 31 अक्टूबर को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत 'भारत के राजनीतिक एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कई छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के मार्गदर्शक प्रोफेसर बीके शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत के राजनीतिक एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प और प्रयासों से देश की विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। उनके योगदान के कारण स्वतंत्रता के बाद भारत को एक सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण कार्य संभव हो सका।

इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर एसके यादव और सैन्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. कपिल कौरव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. रविकांत द्विवेदी ने किया।



नई दिल्ली में मनाया जा रहा वंदनीय माताजी का अखंड जन्म शताब्दी वर्ष, डाक टिकट जारी



नई दिल्ली जीएनएस

शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक वंदनीय माताजी का अखंड जन्म शताब्दी वर्ष समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में माताजी का जन्म शताब्दी वर्ष, अखंड दीप शताब्दी वर्ष और गुरुदेव की तपस्या का अखंड शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में शांतिकुंज हरिद्वार की शैल दीदी और देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में वंदनीय माताजी पर डाक टिकट जारी किया गया। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ ग्वालियर के प्रमुख प्रबंध ट्रस्टी बीके गुप्ता के नेतृत्व में ग्वालियर से करीब 150 परिजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

ग्वालियर से शामिल होने वालों में भक्त दर्शन बरोलिया, अरविंद श्रीवास्तव, राजेश चौरसिया, सौम्या गुप्ता, ममता श्रीवास्तव और मंजुला श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की जानकारी डॉ. प्रदीप गुप्ता, गायत्री शक्तिपीठ ग्वालियर ने दी।

नए पदाधिकारियों ने सदस्यता विस्तार और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ाव बढ़ाने पर दिया जोर, तकनीकी एवं व्यावसायिक गतिविधियों को विस्तार देने का लिया संकल्प

इंजीनियर्स इंडिया के ग्वालियर केंद्र को मिला नया नेतृत्व, विनय कुमार शुक्ला अध्यक्ष और रणवीर सिंह बने सचिव

ग्वालियर जीएनएस

द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के ग्वालियर लोकल सेंटर में नए नेतृत्व ने कार्यभार संभाल लिया है। प्रोफेशनल इंजीनियर विनय कुमार शुक्ला ने अध्यक्ष (चेयरमैन) और इंजीनियर रणवीर सिंह ने मानद सचिव (ऑनरेरी सेक्रेटरी) का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर दोनों पदाधिकारियों ने सेंटर के सर्वांगीण विकास, सदस्यता विस्तार और तकनीकी एवं व्यावसायिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

अपने संबोधन में अध्यक्ष विनय कुमार शुक्ला ने सदस्यता बढ़ाने के साथ मौजूदा सदस्यों की सदस्यता का उच्च श्रेणी में उन्नयन करने पर जोर दिया। उन्होंने कॉर्पोरेट सदस्यों से भी अपनी सदस्यता अपग्रेड कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि उच्च सदस्यता श्रेणी से इंजीनियरों को पेशेवर विकास के नए अवसर और लाभ मिलते हैं। इसके लिए उन्होंने उपस्थित इंजीनियरों और





शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापकों से सेंटर की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया।

उद्योगों से बढ़ाया जाएगा संपर्क : शुक्ला ने कहा कि सेंटर अब तक इंजीनियरिंग कॉलेजों के सहयोग से नियमित तकनीकी कार्यक्रम आयोजित करता रहा है, लेकिन अब औद्योगिक क्षेत्र तक भी अपनी पहुंच बढ़ाने की जरूरत है। इसके लिए औद्योगिक भ्रमण आयोजित करने और उद्योगों से जुड़े पेशेवरों के साथ संवाद स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। इससे उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच समन्वय बढ़ने के साथ इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नए अवसर भी विकसित होंगे।

नए पदाधिकारियों के विचारों और सेंटर की गतिविधियों के विस्तार की योजना का उपस्थित सदस्यों एवं प्राध्यापकों ने स्वागत किया। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से ग्वालियर लोकल सेंटर नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

इससे पहले पूर्व अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर मालवी ने इंजीनियर विनय कुमार शुक्ला को तथा पूर्व मानद सचिव डॉ. छवि सक्सेना ने इंजीनियर रणवीर सिंह को कार्यभार सौंपा। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष राधाकिशन खेतान सहित उपस्थित सदस्यों ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

मोहम्मद आरिफ खत्री ने श्रीलंका में किया बाग प्रिंट का प्रदर्शन, भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने सराही कला

भोपाल, जीएनएस।

हाथों से तराशे गए लकड़ी के ब्लॉक, प्राकृतिक रंगों की खूबसूरती और सदियों से संजोई गई छपाई की परंपरा–मध्यप्रदेश की बाग प्रिंट कला ने कोलंबो में अपनी अलग छाप छोड़ी। श्रीलंका के कोलंबो शहर में 29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित 'इंडो-श्रीलंका सीलोन क्राफ्ट वीक 2026' के दौरान धार जिले के बाग के शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री ने अपनी पारंपरिक कला का प्रदर्शन करते हुए भारतीय हस्तशिल्प की विशिष्टता को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया।

इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के उच्चायुक्त श्री संतोष झा की उपस्थिति ने भारतीय पारंपरिक शिल्पकला के इस प्रदर्शन को विशेष महत्व प्रदान किया। इस अवसर पर बाग प्रिंट शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री ने उच्चायुक्त, भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों एवं अन्य अतिथियों को बाग प्रिंट की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पारंपरिक हाथ से ब्लॉक छपाई की तकनीक, प्राकृतिक रंगों के उपयोग तथा पीढ़ियों से चली आ रही इस समृद्ध शिल्प परंपरा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

बाग प्रिंट के प्रति श्रीमती तनुजा झा ने भी दिखाई विशेष रुचि

भारतीय उच्चायुक्त श्री संतोष झा की पत्नी श्रीमती तनुजा झा ने भी बाग प्रिंट की पारंपरिक कला और इसके हस्तनिर्मित वस्त्रों में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने बाग प्रिंट की बारीकियों और इसकी पारंपरिक विशेषताओं को समझा तथा इस कला से तैयार साड़ियों को पसंद



करते हुए उनकी खरीदारी भी की। यह प्रसंग भारतीय पारंपरिक हस्तशिल्प के प्रति उनकी रुचि और बाग प्रिंट की विशिष्ट कलात्मक अपील के को रेखांकित करता है।

बाग प्रिंट की साड़ियों और वस्त्रों की विशेषता उनके पारंपरिक डिजाइन, प्राकृतिक रंगों की गहराई और हाथ से की जाने वाली छपाई में निहित है। प्रत्येक वस्त्र में कारीगर का कौशल, धैर्य और पारंपरिक ज्ञान दिखाई देता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन वस्त्रों का प्रदर्शन भारतीय हस्तनिर्मित उत्पादों की विशिष्ट पहचान को सामने लाने का महत्वपूर्ण अवसर बना।

यूनेस्को और विश्व शिल्प परिषद के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित हैं आरिफ खत्री

बाग प्रिंट की पारंपरिक कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मोहम्मद आरिफ खत्री का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे यूनेस्को तथा विश्व शिल्प परिषद के प्रतिष्ठित अवार्ड ऑफ़ एक्सीलेंस से सम्मानित हो चुके हैं। वे थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी अपनी पारंपरिक बाग प्रिंट कला का प्रदर्शन कर चुके हैं।

मोहम्मद आरिफ खत्री बाग की पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग कला को देश-विदेश में पहचान दिलाने तथा नई पीढ़ी तक इस विरासत का ज्ञान पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। 'सीलोन क्राफ्ट वीक 2026' में उनकी सहभागिता ने मध्यप्रदेश की पारंपरिक कला को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

इस आयोजन का संयुक्त आयोजन श्रीलंका सरकार के उद्योग एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय शिल्प परिषद तथा कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच पारंपरिक शिल्पकला, हस्तनिर्मित उत्पादों और सांस्कृतिक विरासत के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है। बाग प्रिंट की यह अंतरराष्ट्रीय सहभागिता केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, भारतीय शिल्पकारों के कौशल और भारत-श्रीलंका के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

नरवाई जलाने पर प्रशासन की सख्ती, 7 कृषकों पर 2,500–2,500 रुपये का जुर्माना अधिरोपित

गुना, जीएनएस।

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। फसल अवशेषों को खेतों में जलाने से पर्यावरण प्रदूषण बढऩे, मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होने तथा जनस्वास्थ्य एवं जीव-जंतुओं को नुकसान पहुंचने की आशंका के दृष्टिगत नरवाई जलाने पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में एसडीएम शिवानी पाण्डे ने नरवाई जलाने के मामलों में कार्रवाई करते हुए 07 कृषकों के विरुद्ध अर्थदंड



अधिरोपित करने के आदेश जारी किए हैं। इनमें 7 कृषकों पर 2,500-2,500 रुपये का के मान से कुल 17 हजार 500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गुना के प्रतिवेदन के आधार पर राजस्व पटवारियों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों की टीम द्वारा संबंधित ग्रामों में नरवाई जलाने के मामलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर 05 ग्राम तिल्लीखेड़ी, सरखोह, चकदेवपुर, गेंहूखेड़ा तथा बेहटाझिर के 07 कृषकों के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है।

प्रशासन ने जिले के सभी कृषकों से अपील की है कि वे फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें तथा खेतों में नरवाई न जलाएं। पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और आगजनी की संभावित घटनाओं से बचाव के लिए फसल अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करें तथा प्रतिबंधात्मक आदेशों का पालन सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24 वीं किश्त का वितरण

श्योपुर, जीएनएस।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किश्त वितरण का आज गुजरात के बनासकांठा में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाये गये उक्त कार्यक्रम का जिला स्तरीय आयोजन कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र बडौदा में संपन्न हुआ। इस दौरान बनासकांठ में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से 9.34 करोड किसानों को 18 हजार 680 करोड रूपये से अधिक की राशि 24वी किस्त के रूप में सिंगल क्लिक द्वारा उनके बैंक खातो में अंतरित की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्योपुर जिले के 95 हजार 393 किसानों को दो-दो हजार रूपये की राशि का लाभ प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर नगरपरिषद अध्यक्ष बडौदा श्रीमती भरोसी बाई सुमन, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, जिला पंचायत कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष श्री गिरधारी लाल बैरवा, नगरपरिषद उपाध्यक्ष श्री दारा सिंह बंजारा, उप संचालक कृषि श्री आर.के.सिंह, के.व्ही के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ कायम सिंह, कृषि वैज्ञानिक डॉ यूसी शर्मा एवं डॉ चन्द्रभान सिंह, एसएडीओ श्री शरद रघुवंशी सहित किसानबंधु उपस्थित थे।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट द्वारा किसानों को पराली न जलाने एवं उनको खेत में कृषि यंत्रों की सहायता से मिलाने के संबंध में विस्तार से समझाइश दी गई, साथ ही जल जमीन एवं पर्यावरण संरक्षण करने के उपाय बतायें गये। कृषि स्थाई समिति के सभापति श्री गिरधारी लाल बैरवा द्वारा पराली जलाने से होने वाले दुष्परिणाम को दृष्टिगत रखते हुये किसानों से अपील की गई कि कृषि यंत्रो के माध्यम से पराली का प्रबंधन किया जायें।

प्रदेश में ऋण का उपयोग अधोसंरचनात्मक विकास और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए

सिंचाई, बिजली, सड़क और एक्सप्रेस-वे जैसी विकास परियोजनाओं में किया जा रहा पूंजीगत निवेश

भोपाल, जीएनएस।

प्रदेश के चहुमुंखी विकास के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। विकास के लिए सरकार अपनी राजस्व आय के साथ आवश्यकता अनुसार बाजार से ऋण लेती है। ऋण प्रदेश के अधोसंरचनात्मक विकास और दीर्घकालिक पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए किया जा रहा है। राज्य सरकार प्राप्त ऋण राशि का निवेश सिंचाई परियोजनाओं, विद्युत अधोसंरचना के विस्तार, सड़कों, पुलों, एक्सप्रेस-वे तथा अन्य विकास परियोजनाओं में करती है। इन परियोजनाओं से प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन, रोजगार के अवसरों और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। प्रदेश सरकार द्वारा चार हजार करोड़ रूपये का ऋण लिया जा रहा है। माह दिसम्बर 2026 तक भारत सरकार द्वारा निर्धारित उधारी सीमा पर ऋण लिया जा सकता है।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 293(3) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित वार्षिक उधारी सीमा के भीतर ऋण लिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य की वार्षिक उधारी सीमा लगभग 87 हजार करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसमें प्रथम 9 माह के लिए 58 हजार 274 करोड़ रुपये की बाजार ऋण सीमा स्वीकृत की गई है। माह अक्टूबर 2026 के दूसरे सप्ताह तक राज्य द्वारा 44 हजार 900 करोड़ रुपये का बाजार ऋण प्राप्त किया गया है। आगामी 3 नवंबर 2026 को 4 हजार करोड़ रुपये का बाजार ऋण लिया जाना प्रस्तावित है। यह बाजार से ऋण क्रमशः 1000 करोड़, 1000 करोड़ रूपये एवं 2000 करोड़ है।

राज्य सरकार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम (एफआरबीएम) के प्रावधानों का पालन करते हुए वित्तीय प्रबंधन कर रही है। बजट अनुमान 2026-27 में राज्य का ऋण-जीएसडीपी अनुपात 32.53 प्रतिशत रहने का अनुमान है। प्रदेश में ब्याज भुगतान एवं राजस्व प्राप्तियों का अनुपात लगभग 10 से 11 प्रतिशत है। वित्त आयोग तथा भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के अनुसार यह अनुपात 15 प्रतिशत के भीतर है। इसलिये राज्य की वित्तीय स्थिति संतोषजनक मानी गई है।

राजस्व व्यय के लिए नहीं किया जाता ऋण का उपयोग

राज्य सरकार द्वारा प्राप्त ऋण का उपयोग वेतन-भत्ते, अनुदान, पेंशन, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना तथा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के राजस्व व्यय की पूर्ति के लिए नहीं किया जाता। सरकार की प्राथमिकता ऋण के माध्यम से ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जिसका लाभ प्रदेश की अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों को लंबे समय तक प्राप्त हो। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से कृषि उत्पादकता, विद्युत अधोसंरचना से ऊर्जा आपूर्ति तथा सड़क और एक्सप्रेस-वे निर्माण से परिवहन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

पूंजीगत निवेश से मजबूत हो रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था

राज्य सरकार द्वारा पिछले दो दशकों में सड़कों, पुलों, सिंचाई परियोजनाओं, विद्युत अधोसंरचना और शहरी विकास जैसी परियोजनाओं में व्यापक पूंजीगत निवेश किया गया है। हाल के वर्षों में प्रदेश के पूंजीगत परिव्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूंजीगत परिव्यय एक लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार करने का अनुमान है। प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है और पिछले 10 वर्षों में राज्य जीएसडीपी 10 प्रतिशत से अधिक रही है।

मोहम्मद खत्री ने श्रीलंका में किया बाग प्रिंट का प्रदर्शन

भोपाल, जीएनएस।

हाथों से तराशे गए लकड़ी के ब्लॉक, प्राकृतिक रंगों की खूबसूरती और सदियों से संजोई गई छपाई की परंपरा–मध्यप्रदेश की बाग प्रिंट कला ने कोलंबो में अपनी अलग छाप छोड़ी। श्रीलंका के कोलंबो शहर में 29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित 'इंडो-श्रीलंका सीलोन क्राफ्ट वीक 2026' के दौरान धार जिले के बाग के शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री ने अपनी पारंपरिक कला का प्रदर्शन करते हुए भारतीय हस्तशिल्प की विशिष्टता को अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। इस अंतर्राष्ट्रीय य आयोजन में कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के उच्चायुक्त श्री संतोष झा की उपस्थिति ने भारतीय पारंपरिक शिल्पकला के इस प्रदर्शन को विशेष महत्व प्रदान किया। इस अवसर पर बाग प्रिंट शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री ने उच्चायुक्त, भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों एवं अन्य अतिथियों को बाग प्रिंट की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पारंपरिक हाथ से ब्लॉक छपाई की तकनीक, प्राकृतिक रंगों के उपयोग तथा पीढ़ियों से चली आ रही इस समृद्ध शिल्प परंपरा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

बाग प्रिंट की साड़ियों और वस्त्रों की विशेषता उनके पारंपरिक डिजाइन, प्राकृतिक रंगों की गहराई और हाथ से की जाने वाली छपाई में निहित है। प्रत्येक वस्त्र में कारीगर का कौशल, धैर्य और पारंपरिक ज्ञान दिखाई देता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन वस्त्रों का प्रदर्शन भारतीय हस्तनिर्मित उत्पादों की विशिष्ट पहचान को सामने लाने का महत्वपूर्ण अवसर बना।

आयोजन का संयुक्त आयोजन श्रीलंका सरकार के उद्योग एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय शिल्प परिषद तथा कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच पारंपरिक शिल्पकला, हस्तनिर्मित उत्पादों और सांस्कृतिक विरासत के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है।

ग्वालियर-चंबल यात्री परिवहन सेवा लिमिटेड कंपनी के संचालक मण्डल की पहली बैठक सम्पन्न

ग्वालियर-चंबल अंचल को भी शीघ्र मिलेगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की सौगात

ग्वालियर, जीएनएस।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना के अंतर्गत ग्वालियर-चंबल अंचल में नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, व्यवस्थित एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ग्वालियर-चंबल यात्री परिवहन सेवा लिमिटेड के संचालक मंडल की पहली बैठक में एक लाख इक्विटी शेयरों के माध्यम से 10 लाख रूपये की अंशपूंजी के शेयर प्रमाणपत्र जारी करने और कंपनी के कार्यकारी निदेशक के रूप में श्री अभिषेक चौधरी, आयुक्त नगर निगम ग्वालियर को नियुक्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मंत्रालय में शुक्रवार को कंपनी के अध्यक्ष एवं सचिव, परिवहन विभाग, श्री मनीष सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में संचालक मण्डल के सभी सदस्यों ने सहभागिता की। बैठक में कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, ग्वालियर विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी कलेक्टर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने 1 अप्रैल 2025 को कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुक्रम में इस कंपनी के गठन और प्रशासनिक संरचना, वित्तीय प्रबंधन एवं संचालन संबंधी महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की थी।

कंपनी के निर्णयों से सुगम परिवहन के संकल्प को मिलेगी गति

बैठक में लिए गए निर्णयों से कंपनी का संस्थागत, प्रशासनिक एवं वित्तीय ढांचा सुदृढ़ होगा तथा ग्वालियर-चंबल अंचल में नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, व्यवस्थित एवं विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आगामी कार्यवाही को गति मिलेगी। अब कंपनी के कार्यकारी निदेशक को आवश्यक अनुबंधों, समझौतों एवं अन्य दस्तावेजों के निष्पादन तथा बैंकिंग एवं प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए अधिकृत किया गया। इससे कंपनी की निर्णय प्रक्रिया सहित आगामी संचालन संबंधी गतिविधियों को गति मिलेगी।

बेहतर प्रशासनिक समन्वय के लिए निदेशक नामित

बैठक में संचालक मण्डल ने कार्यकारी निदेशक के अलावा ग्वालियर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा भिण्ड, दतिया, शिवपुरी, श्योपुर एवं अशोकनगर जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों सहित नौ नामित निदेशकों की नियुक्ति को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से कंपनी के संचालन में विभिन्न जिलों एवं संबंधित विभागों की सहभागिता सुनिश्चित होगी तथा क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर प्रशासनिक समन्वय भी बन सकेगा।

10 लाख रूपये की अंशपूंजी के साथ वित्तीय मजबूती: कंपनी के वित्तीय प्रबंधन को व्यवस्थित करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता खोलने एवं एक लाख इक्विटी शेयरों के माध्यम से 10 लाख रूपये की अंशपूंजी के शेयर प्रमाणपत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कंपनी के शेयर हस्तांतरण को भी स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही कंपनी के मेमोरेंडम एवं आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन को अंगीकृत करते हुए वित्तीय वर्ष एवं पंजीकृत कार्यालय सहित आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अनुमोदित किया गया।

अनेक वित्तीय प्रशासनिक फैसले होंगे पारदर्शी

बैठक में कंपनी के वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं वैधानिक अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (ष्टत्त) के माध्यम से प्रथम लेखापरीक्षक की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ करने, जीएसटी एवं अन्य आवश्यक पंजीयन प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कंपनी के कार्यकारी निदेशक को आवश्यक अनुबंधों, समझौतों एवं अन्य दस्तावेजों के निष्पादन तथा बैंकिंग एवं प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए अधिकृत किया गया।

स्मार्ट सिटी - जीडीए या कमिश्नरी भवन में खुलेगा कार्यालय

बैठक में कंपनी के सुचारू एवं प्रभावी संचालन के लिए कार्यालयीन अधोसंरचना के विकास एवं स्थापना पर विस्तृत चर्चा की गई। लगभग 150 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यक्षमता वाले मुख्य कार्यालय तथा कंट्रोल कमांड सेंटर की स्थापना के लिए चार संभावित स्थलों- स्मार्ट सिटी कार्यालय का द्वितीय तल, जीडीए शताब्दीपुरम, जीडीए माधव प्लाजा एवं संभागायुक्त कार्यालय पर विचार-विमर्श किया गया। संचालक मंडल द्वारा इन स्थलों की उपलब्धता, उपयुक्तता, आधारभूत सुविधाओं एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चारों विकल्पों में से एक उपयुक्त स्थल का चयन कर कंपनी के मुख्य कार्यालय एवं कंट्रोल कमांड सेंटर की स्थापना करने का निर्णय लिया गया।

विंध्य एवं मालवा के बीच सुदृढ़ हो रही हवाई कनेक्टिविटी, रीवा-इंदौर विमान सेवा के 300 दिन पूर्ण

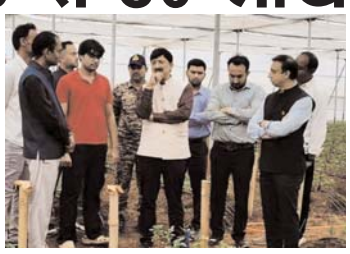
भोपाल। रीवा एयरपोर्ट से इंदौर के लिए संचालित नियमित विमान सेवा ने 300 दिन पूरे कर लिए हैं। इस अवधि में लगभग 24,500 यात्रियों ने इस सेवा के माध्यम से सुगम एवं सुविधाजनक हवाई यात्रा का लाभ उठाया है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विंध्य एवं मालवा के बीच संचालित यह विमान सेवा दोनों क्षेत्रों के बीच आवागमन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सुदृढ़ हवाई कनेक्टिविटी से विंध्य क्षेत्र में पर्यटन, निवेश, उद्योग, शिक्षा एवं विकास के नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं। यह सेवा क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



गुना के गुलाबों से बनेगी नई पहचान, अब एक एकड़ से 25 से 30 लाख तक कमाई का लक्ष्य

गुना, जीएनएस।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर किशोर कन्याल ने आज ग्राम भादौर में प्रगतिशील कृषक धर्मवीर सिंह रघुवंशी के एक एकड़ क्षेत्र में स्थापित गुलाब के पॉलीहाउस का भ्रमण किया। पॉलीहाउस में एक माह पूर्व गुलाब के लगभग 30 हजार पौधे रोपित किये गए हैं, जिनसे चौथे माह से व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ होने की उम्मीद है। कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि गुना जिले में पॉलीहाउस के माध्यम से गुलाब की खेती तेजी से लोकप्रिय हो रही है। जिले के उच्च शिक्षित युवा भी आधुनिक तकनीक आधारित



इस खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वर्तमान में किसान एक एकड़ पॉलीहाउस से लगभग 15 लाख रुपए तक का शुद्ध वार्षिक मुनाफा अर्जित कर रहे हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि उन्नत तकनीक, बेहतर उत्पादन प्रबंधन और आधुनिक विपणन व्यवस्था के माध्यम से इस आय को बढ़ाकर 25 से 30 लाख रुपए प्रति एकड़ प्रतिवर्ष तक पहुंचाया जाए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एक एकड़ पॉलीहाउस से लगभग 5 लाख गुलाब के फूलों का उत्पादन हो रहा है। इसे उन्नत तकनीकों के उपयोग से बढ़ाकर 7 से 8 लाख फूल प्रति एकड़ प्रतिवर्ष करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही फूलों की गुणवत्ता, आकर्षक पैकिंग, ब्रांडिंग और बेहतर मार्केटिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि गुना के गुलाबों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान मिल सके।

पॉलीहाउस संचालक धर्मवीर सिंह रघुवंशी के सुपुत्र आदित्य रघुवंशी दिल्ली के फूल बाजार का अध्ययन कर अपने गुलाबों को दिल्ली में विक्रय करने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही भविष्य में गुलाबों के निर्यात की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। गुना जिले में वर्तमान में 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र में पॉलीहाउस के माध्यम से गुलाब की खेती की जा रही है।

किसान अब सेंसर आधारित ऑटोमेशन, फर्टिगेशन सिस्टम, फार्म गेट पैक हाउस और कोल्ड रूम जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उद्यानिकी विभाग द्वारा पात्रतानुसार इन गतिविधियों पर 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रभारी निरीक्षक चैकिंग पर दो जगह पिकिट जवान मिले नदारत

जालौन। शुक्रवार के दिन शांति व्यवस्था लेने के उद्देश्य से प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी पुलिस बल के साथ नगर में चिन्हित जगहो तथा बैंकों में निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान सर्राफा बाजार एवं टरननगंज चौराहे में पुलिस जवान नदारत मिले वहीं पर प्रभारी निरीक्षक का पारा आसमान में चढ़ गया उन्होंने फोन पर कॉल लगाकर जमकर फटकार लगाई कहां कि निरीक्षण के दौरान पहले वार्निंग देते हुए यदि दोबारा निरीक्षण में अनुपस्थित पाए गए कार्यवाही करवा कर दम लूंगा उन्होंने नगर में स्थित भारतीय स्टेट बैंक बड़ौदा बैंक केनरा बैंक इंडियन बैंक कोऑपरेटिव बैंक आदि बैंकों में निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान बैंकों में पुलिस जवान मौजूद मिले उनको अपनी अपनी ड्यूटी सही से करने के निर्देश दिए तथा उन्होंने शांति व्यवस्था का जायजा लिया बैंक के आसपास भ्रमण दौरान संदिग्ध अवस्था में कुछ लोगों से पूछताछ की जमकर फटकार लगाकर सीधे घर जाने के कड़े निर्देश दिए इतना भी नहीं उन्होंने निरीक्षण दौरान मौजूद शाखा प्रबंधकों से वार्ता कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेकर वह संतुष्ट हुए तथा पूरे नगर की विभिन्न सड़कों में भ्रमण कर शांति व्यवस्था का जायजा लिया।

टीम ने चैकिंग दौरान तीन दुकानों के सैंपुल भरे चैकिंग अभियान से दुकानदारों के बीच मचा हड़कंप

जालौन, जीएनएस।

गुरुवार की शाम उप जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा टीम के साथ कस्बा बाजार में तीन दुकानों चैकिंग सैंपुल लेकर जांच हेतु आगरा प्रयोगशाला भेजने के निर्देश दिए आने वाले दीपावली त्यौहार में ग्राहकों को शुद्ध सामग्री दुकानों से मिलने के उद्देश्य से उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य खाद्य सुरक्षा टीम के साथ कदौरा कस्बा बस स्टॉप संस्थाओं से लेकर बाजार में चैकिंग अभियान चलाकर तीन दुकानों की बिदुवार चैकिंग की गई मौजूद दुकानदारों को हिदायत दी गई की आने वाले ग्राहकों को हर हाल में शुद्ध सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए यदि कोई भी दुकानदार मिलावटी सामग्री वितरण करता है वह सीधे जनमानस के शरीर पर घातक होता है शरीर के अच्छे स्वास्थ्य को खराब करता है उन्होंने दुकानों की खाद्य सामग्री पैकिंग गुणवत्ता तथा एक्सपायरी डेट निरीक्षण किया तथा मौजूद दुकानदार को निर्देश देते हुए कहा कि मानक ध्यान रखते हुए दुकानों में आने वाले उपभोक्ताओं को शुद्ध सामग्री उपलब्ध कराने कड़े निर्देश दिए उन्होंने कहा कि दोबारा चैकिंग दौरान किसी भी दुकानदार के यहां मिलावटी सामग्री यदि पाई गई ऐसे दुकानदारी की खैर नहीं होगी।

फोटो उप जिलाधिकारी टीम साथ कदौरा कस्बा बस स्टॉप दुकानों की चैकिंग करते हुए।



भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233



निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

जनाधार कायम, लेकिन पारिवारिक कलह ने कमजोर की क्षेत्रीय दलों की सियासत

हाल के वर्षों में देश की राजनीति में कई स्थापित क्षेत्रीय दलों का प्रभाव घटा है। कुछ पार्टियां सत्ता से बाहर हो गईं तो कुछ अपने अस्तित्व को बचाने की चुनौती से जूझ रही हैं। हालांकि, इसकी वजह उनका जनाधार कमजोर होना नहीं, बल्कि पारिवारिक कलह, नेतृत्व की खींचतान और संगठनात्मक कमजोरियां हैं। चुनावों में मिले वोट बताते हैं कि इन दलों के प्रति मतदाताओं का भरोसा अब भी कायम है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो 2009 के लोकसभा चुनाव में क्षेत्रीय दलों को 31.2 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 में यह आंकड़ा बढ़कर 35.8 प्रतिशत हुआ। 2019 में घटकर 28.1 प्रतिशत रहा, जबकि 2024 में फिर बढ़कर 33.5 प्रतिशत पहुंच गया। हालिया चुनावों में सत्ता गंवाने के बावजूद आम आदमी पार्टी को 43.6 प्रतिशत और तृणमूल कांग्रेस को 40.8 प्रतिशत वोट मिले। यह दर्शाता है कि सत्ता से बाहर होने का मतलब जनसमर्थन पूरी तरह समाप्त होना नहीं है।

देश की कई क्षेत्रीय पार्टियां किसी एक नेता या परिवार के प्रभाव से खड़ी हुईं। इन दलों ने उन राज्यों, जातियों और समुदायों को राजनीतिक मंच दिया, जिन्हें राष्ट्रीय दलों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा था। लेकिन समय के साथ इन पार्टियों में नेतृत्व का दायरा परिवार तक सीमित होता गया। उत्तराधिकार तय करने की स्पष्ट व्यवस्था नहीं होने से परिवार के सदस्यों के बीच सत्ता संघर्ष शुरू हो गया।

पंजाब में अकाली दल से अलग होकर मनप्रीत सिंह बादल ने 2010 में पीपुल्स पार्टी ऑफ पंजाब बनाई थी। महाराष्ट्र में 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर अपनी राजनीतिक राह चुनी। उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच विवाद खुलकर सामने आया। हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल भी 2018 में टूट गया और अजय सिंह चौटाला ने जननायक जनता पार्टी बनाई।

रामविलास पासवान के निधन के बाद लोक जनशक्ति पार्टी में नेतृत्व को लेकर विवाद सामने आया। उनके भाई पशुपति कुमार पारस और बेटे चिराग पासवान के बीच संघर्ष के चलते पार्टी दो धड़ों में बंट गई। महाराष्ट्र में 2022 में शिवसेना के भीतर एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के गुटों के बीच पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर विवाद हुआ। 2023 में अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से अलग होकर अपना गुट बनाया और पार्टी के नाम तथा चुनाव चिह्न पर अधिकार हासिल किया। बहुजन समाज पार्टी में भी नेतृत्व को लेकर बदलाव चर्चा में रहे हैं। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी और बाद में उन्हें पद से हटा दिया। इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि क्षेत्रीय दलों में नेतृत्व और उत्तराधिकार का सवाल लगातार चुनौती बना हुआ है। इन दलों की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि इनमें नेतृत्व चयन की संस्थागत व्यवस्था विकसित नहीं हो पाई। पार्टी का संस्थापक जब कमजोर पड़ता है या उसका निधन हो जाता है तो परिवार के कई सदस्य नेतृत्व पर अपना दावा जताने लगते हैं। ऐसी स्थिति में कार्यकर्ता भी अलग-अलग खेमों में बंट जाते हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति का अंत : सच की कीमत और पत्रकारों की सुरक्षा

पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतरराष्ट्रीय दिवस

लोकतंत्र में पत्रकारिता केवल समाचार प्रस्तुत करने का माध्यम नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल पूछने, अन्याय को उजागर करने और समाज के सामने सच रखने का महत्वपूर्ण दायित्व है। लेकिन जब सच लिखने, भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने या जनहित के मुद्दे उठाने वाले पत्रकारों को धमकियाँ मिलती हैं, उन पर हमले होते हैं अथवा उनकी हत्या के दोषियों को सजा नहीं मिलती, तब संकट केवल पत्रकारिता का नहीं, बल्कि लोकतंत्र और नागरिकों के सूचना पाने के अधिकार का भी होता है।

इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक चेतना जगाने के लिए प्रतिवर्ष 2 नवंबर को पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 दिसंबर 2013 को प्रस्ताव संख्या ⁄/ऋ्रस/68/163 के माध्यम से इस दिवस की घोषणा की थी। इसकी तारीख माली में 2 नवंबर 2013 को दो फ्रांसीसी पत्रकारों की हत्या की स्मृति से जुड़ी है।

पत्रकार समाज की आँख और कान की तरह काम करता है। वह उन घटनाओं और परिस्थितियों को सामने लाता है, जिन्हें अक्सर प्रभावशाली लोग छिपाए रखना चाहते हैं। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अनियमितता, मानवाधिकारों के उल्लंघन, अपराध और जनसमस्याओं पर निर्भीक रिपोर्टिंग जनहित की रक्षा करती है। लेकिन जब पत्रकार को खबर प्रकाशित करने के कारण धमकाया जाता है, झूठे मुकदमों में उलझाया जाता है, उसकी प्रतिष्ठा पर हमला होता है या उसे शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ता है, तो उसका प्रभाव एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। भय का वातावरण अन्य पत्रकारों को भी सवाल उठाने से रोक सकता है। परिणामस्वरूप, जनता तक महत्वपूर्ण सूचनाएँ पहुँचने में बाधा आती है और जवाबदेही की लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है।

संयुक्त राष्ट्र और यूनेस्को ने पत्रकारों की हत्या के मामलों में दोषियों को दंड न मिलने की समस्या पर लगातार चिंता जताई है। यूनेस्को के अनुसार, पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों की प्रभावी जाँच और दोषियों को न्याय के कटघरे तक पहुँचाना दंडमुक्ति की संस्कृति को तोड़ने के लिए अनिवार्य है। दंडमुक्ति का आशय है ,अपराध होने के बावजूद दोषियों का कानून के अनुसार जवाबदेह न ठहराया जाना। जब किसी पत्रकार पर हमला करने वाले व्यक्ति या समूह को राजनीतिक, आर्थिक अथवा अन्य प्रभावों के कारण संरक्षण मिलता है, जाँच निष्पक्ष नहीं होती या मामला वर्षों तक लंबित रहता है, तो न्याय की आशा कमजोर पड़ती है। यह स्थिति अपराधियों का मनोबल बढ़ा सकती है। इससे यह खतरनाक संदेश जाता है कि सच उजागर करने वालों को निशाना बनाकर भी बचा जा सकता है। इसलिए पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों की निष्पक्ष, त्वरित और प्रभावी जाँच केवल कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता की कसौटी है।

आज पत्रकारों के सामने पारंपरिक खतरों के साथ डिजिटल दुनिया की चुनौतियाँ भी बढ़ रही हैं। सोशल मीडिया पर संगठित दुष्प्रचार, व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करना, ऑनलाइन धमकियाँ, चरित्रहनन और महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली अपमानजनक टिप्पणियाँ स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए गंभीर बाधाएँ हैं। डिजिटल माध्यमों ने सूचना के प्रसार को आसान बनाया है, लेकिन गलत सूचना और भीड़ के दबाव ने पत्रकारों की जिम्मेदारियों तथा जोखिमों को भी बढ़ाया है। विशेष रूप से महिला पत्रकारों को ऑनलाइन उत्पीड़न और लैंगिक आधार पर निशाना बनाए जाने का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों को सामान्य इंटरनेट व्यवहार मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए कुछ बुनियादी कदम आवश्यक हैं–

- पत्रकारों के विरुद्ध धमकी, हिंसा और हमलों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई हो।

- मामलों की जाँच निष्पक्ष हो तथा दोषियों को कानून के अनुसार दंड मिले।

- पत्रकारिता के नाम पर जानबूझकर फैलाए गए झूठ और वास्तविक जनहित की रिपोर्टिंग के बीच अंतर समझा जाए।

- पत्रकारों को कानूनी सहायता, सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण और डिजिटल सुरक्षा के साधन उपलब्ध हों।

- मीडिया संस्थान अपने पत्रकारों की सुरक्षा और संकट के समय सहायता के लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाएँ।

- पत्रकार भी तथ्य-जाँच, संतुलित भाषा, निष्पक्षता और पेशेवर आचरण के मानकों का पालन करें।

पत्रकारिता की स्वतंत्रता का अर्थ जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं है; उसी प्रकार पत्रकार की गलती होने पर कानूनसम्मत कार्रवाई का अर्थ उसे डराने या हिंसा का निशाना बनाने की छूट भी नहीं है। आलोचना का उत्तर तर्क और तथ्यों से दिया जाना चाहिए, धमकी या हमले से नहीं।

पत्रकारों की सुरक्षा केवल सरकार या मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं है। समाज, न्यायपालिका, नागरिक संगठनों और आम नागरिकों की भी इसमें भूमिका है। जब किसी पत्रकार पर हमला होता है, तब यह देखना जरूरी है कि कहीं उस हमले के पीछे जनहित के प्रश्नों को दबाने की कोशिश तो नहीं है।

लोकतंत्र की मजबूती इस बात से नहीं आँकी जा सकती कि पत्रकार कितनी सहजता से प्रशंसा लिखते हैं, बल्कि इससे आँकी जानी चाहिए कि वे कितनी स्वतंत्रता से कठिन प्रश्न पूछ सकते हैं। पत्रकार की कलम को निर्भीक बनाए रखने के लिए कानून का निष्पक्ष शासन, संस्थागत जवाबदेही और समाज का जागरूक समर्थन आवश्यक है।

2 नवंबर हमें यही संदेश देता है कि सच लिखने वाले की सुरक्षा और उसके विरुद्ध अपराध करने वालों को न्याय के कटघरे तक पहुँचाना, स्वतंत्र समाज की अनिवार्य शर्त है। जहाँ अपराधी दंड से नहीं डरते, वहाँ सच कमजोर पड़ता है; और जहाँ सच कमजोर पड़ता है, वहाँ लोकतंत्र भी अपनी शक्ति खोने लगता है।

कलम न झुके भय के आगे,सच का उजियारा जीवित हो,
अन्यायों के हर अँधियारे में, न्याय का दीप प्रज्वलित हो।
जो जनहित में प्रश्न उठाए, उसको निर्भय आसमान मिले,
पत्रकार सुरक्षित हों जब, लोकतंत्र को नया सम्मान मिले।।

– सुरेश सिंह बैस ÷शाश्वत÷ ,

डॉक्टर बनने का सपना, लेकिन निजी जीवन की बड़ी कीमत

भारत में डॉक्टर बनना केवल एक पेशा चुनना नहीं, बल्कि वर्षों की कठिन पढ़ाई, आर्थिक दबाव और व्यक्तिगत त्याग से गुजरने वाली लंबी यात्रा है। चिकित्सा का पेशा सम्मानजनक होने के साथ मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम भी है, लेकिन डॉक्टर बनने की इस प्रक्रिया में विद्यार्थियों को अपने निजी और पारिवारिक जीवन की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

हर साल लाखों विद्यार्थी नीट की परीक्षा की तैयारी करते हैं। कई विद्यार्थी दो-तीन साल कोचिंग में बिताने के बाद एमबीबीएस में प्रवेश पाते हैं। इसके बाद साढ़े पांच साल की पढ़ाई, इंटर्नशिप, स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा, एमडी-एमएस और सुपर स्पेशियलिटी की ट्रेनिंग का दौर शुरू होता है। इस पूरी प्रक्रिया में कई बार विद्यार्थी तीस वर्ष की उम्र पार कर जाते हैं। ऐसे में विवाह, परिवार और आर्थिक स्थिरता की योजना बनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

महिला और पुरुष डॉक्टरों की अलग चुनौतियां : महिला डॉक्टरों के सामने लंबी पढ़ाई और प्रशिक्षण के साथ विवाह तथा मातृत्व की योजना बनाने की चुनौती भी रहती है। गर्भधारण से जुड़े कुछ जोखिम उम्र के साथ बढ़ सकते हैं। इसलिए उन्हें पढ़ाई और नौकरी के दौरान सुरक्षित कार्यस्थल, मातृत्व अवकाश तथा पारिवारिक सहयोग मिलना जरूरी है।

पुरुष डॉक्टर भी इससे अछूते नहीं हैं। जब दूसरे पेशों में उनके साथी कमाना शुरू कर देते हैं, तब वे परीक्षाओं और प्रशिक्षण में व्यस्त रहते हैं। माता-पिता की बढ़ती उम्र, आर्थिक जिम्मेदारियां और विवाह जैसे विषय उनके मानसिक दबाव को बढ़ा सकते हैं।

ग्रामीण नियुक्ति के साथ सुविधाएं भी जरूरी : सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सेवा बांड लागू करती है। इसका उद्देश्य दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। यह उद्देश्य महत्वपूर्ण है, लेकिन डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में नियुक्त करने के साथ सुरक्षित आवास, बिजली, पानी, परिवहन और परिवार सहित रहने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

केवल अनिवार्य सेवा की शर्त लगाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। उचित वेतन, आवास भत्ता और बेहतर कार्य परिस्थितियां डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी न हो : लगातार परीक्षाएं, लंबी ड्यूटी, नींद की कमी और मरीजों की जिम्मेदारी मेडिकल विद्यार्थियों तथा रेजिडेंट डॉक्टरों पर मानसिक दबाव बढ़ाती है। अत्यधिक कार्यभार से थकान, चिंता और बर्नआउट जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए मेडिकल संस्थानों में संतुलित ड्यूटी व्यवस्था, पर्याप्त विश्राम और मानसिक स्वास्थ्य सहायता की सुविधा जरूरी है।

प्रवेश से पहले समझें पूरी व्यवस्था : मेडिकल में प्रवेश लेने से पहले विद्यार्थियों और अभिभावकों को केवल प्रतिष्ठा और संभावित कमाई नहीं देखनी चाहिए। फीस, छात्रवृत्ति, हॉस्टल, सेवा बांड, आगे की पढ़ाई और रोजगार के अवसरों की जानकारी लेना भी आवश्यक है। एमबीबीएस के बाद विशेषज्ञता करना हर डॉक्टर के लिए अनिवार्य नहीं है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

डॉक्टर तैयार करने की व्यवस्था में मरीजों के हितों के साथ डॉक्टरों के अधिकारों और जरूरतों का भी ध्यान रखना होगा। सेवा बांड की शर्तें पारदर्शी और व्यावहारिक हों तथा गंभीर पारिवारिक परिस्थितियों में उचित विकल्प उपलब्ध कराए जाएं।

डॉक्टर भी इंसान हैं। उनसे दूसरों का जीवन बचाने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन उनके अपने जीवन, स्वास्थ्य और परिवार की जिम्मेदारियों को भी सम्मान मिलना चाहिए। डॉक्टर बनने का सपना निश्चित रूप से पूरा किया जाना चाहिए, लेकिन इसके लिए किसी विद्यार्थी को अपने निजी जीवन की हर खुशी और आवश्यकता का त्याग करने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था वही है, जो मरीजों की देखभाल करने वाले डॉक्टरों की देखभाल भी करे।

डॉ. विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्राचार्य 7 शैक्षिक स्तंभकार 7 प्रख्यात वैज्ञानिक
मलोट, पंजाब

सांसद श्रीमती राय और कलेक्टर भिण्ड ने हरी झंडी दिखाकर एकता दौड़ का किया शुभारंभ

सरदार पटेल द्वारा देश की एकता के लिए रखी गई नींव ही है आज प्रशासन और लोकतंत्र की मजबूती का आधारः सांसद श्रीमती राय

भिण्ड, जीएनएस।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन शनिवार को ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर ÷रन फॉर यूनिटी÷ का आयोजन किया गया। ÷रन फॉर यूनिटी÷ को इंदिरा गांधी चौराहा से सांसद श्रीमती संध्या राय एवं कलेक्टर श्री पवन जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

÷रन फॉर यूनिटी÷ दौड़ इंदिरा गांधी चौराहा से प्रारम्भ होकर 17वीं वाहिनी एसएएफ बटालियन भिण्ड परिसर में सम्पन्न हुई। ÷रन फॉर यूनिटी÷ दौड़ में महाविद्यालयीन छात्र-छात्रा, एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थीगण, खिलाड़ी , स्कूली छात्र-छात्रा, शासकीय कार्यालयों के अधिकारी कर्मचारी, सामाजिक संगठन एवं आम नागरिक शामिल हुए।

सांसद श्रीमती संध्या राय ने कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर नमन किया। इस अवसर पर सांसद श्रीमती राय ने उपस्थित नागरिकों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता संबंधी शपथ दिलाई।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता के लिए जो नींव रखी, वही आज प्रशासन और लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने कहा कि रियासतों को भारत संघ में जोड़ने और देश के पहले गृह मंत्री के रूप



में प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करने में उनका योगदान अमिट है। सरदार पटेल की जयंती प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है।

सांसद राय ने कहा कि आज आईएएस और आईपीएस समेत पूरी प्रशासनिक व्यवस्था सरदार पटेल द्वारा रखी गई नींव पर काम कर रही है। उन्होंने सभी से अपील की कि सरदार साहब को आदर्श मानकर उनके जीवन और सिद्धांतों को अपनाया जाए।

उन्होंने भिण्ड जिले के लिए भी एकता और विकास का संकल्प लेने की बात कही। सांसद ने कहा कि जिले के लोग मिलकर स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि जब देश विकसित भारत की ओर बढ़ेगा, तब भिंड भी विकास की अग्रणी पंक्ति में खड़ा होगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत भिण्ड अध्यक्ष श्रीमती सरोज बघेल, डीएफओ भिण्ड श्री वी.आर. सिरसाम, सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप पटेल, एसडीएम भिण्ड श्री महेन्द्र सौजन्या सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद श्रीमती संध्या राय, श्रीमती सरोज बघेल, कलेक्टर श्री पवन जैन, सीईओ जिला पंचायत श्री वीरसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया सहित अन्य अधिकारियों ने 17वीं वाहिनी एसएएफ बटालियन भिण्ड में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया।

वृहद स्वैच्छिक रक्तदान और स्वास्थ्य शिविरः सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर 17वीं वाहिनी एसएएफ बटालियन भिण्ड में वृहद स्वैच्छिक रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में कलेक्टर श्री पवन जैन सहित अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों तथा एसएएफ बटालियन के जवानों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।



भोजन के साथ टीवी, सेहत से बेवफाई

थाली में पकवान सजे हैं, आँखें टीवी पर अटकी,
निवाला मुँह तक आता है, सुध-बुध कहीं भटकी।
कभी समाचार-धारावाहिक, मूवी का शोर मचता,
खाने का स्वाद न मिलता, ध्यान कहीं नहीं रहता।
खाना सिर्फ पेट भरना नहीं, ये जीवन का आधार,
हर निवाला स्वाद समझना, सेहत का यह उपहार।
बैठो शांत, सुकून के संग, भोजन का करें सम्मान,
टीवी को थोड़ी छुट्टी देकर, अपनों से करों संवाद।
जल्दी-न हड़बड़ी में खाओ, हर कौर खूब चबाओ,
स्वाद व संतुलन सेहत का, थाली में मेल बिठाओ।
मोबाइल व टीवी छोड़ो यार, भोजन को दो समय,
स्वस्थ शरीर का मंत्र, %सजग% रहों जीवन सुखमय।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

पुलिस विभाग ग्वालियर से सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी व कर्मियों को प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने दी विदाई

ग्वालियर, जीएनएस।

आज दिनांक को प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री जयराज कुबेर(रापुसे) द्वारा पुलिस विभाग से आज सेवानिवृत हुए 06 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को विदाई दी गई। इस मौके पर रक्षिज निरीक्षक रक्षित निरीक्षक ग्वालियर श्री रणजीत सिंह सिकरवार, मुख्य लिपिक अनिल यादव सहित कार्यालयीन स?टाफ एवं सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी व उनके परिजन उपस्थित रहे।

आज पुलिस कन्ट्रोल रूम ग्वालियर सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे 06 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लिये



विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पुलिस अधिकारियों की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आज आप पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन आपकी सेवाएँ, अनुभव और अनुशासन हमेशा समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। इस लंबी सेवा यात्रा में आपके परिवार का त्याग, सहयोग और समर्पण भी उतना ही महत्वपूर्ण रहा है, जिसने हर परिस्थिति में आपका साथ दिया।

प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से नौकरी के दौरान उनके अनुभवों को भी साझा किया। इस अवसर पर प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों से उनके भविष?य के कार्यकलापों के बारे में जाना तथा उनको सेवानिवृत्त उपरांत स?वयं को सामाजिक कार्यों में व?यस?त करने की सलाह दी जिससे अभी तक रही व?यस?तता की दिनचर्या से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के समापन पर प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने आज सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस कर्मियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर उनके बेहतर स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना की।

ग्वालियर पुलिस का ''साइबर क्राइम अवेयरनेस'' प्रोग्राम

साइबर क्राइम विंग ने बैंक ऑफ बडौदा रीजनल ऑफिस में बैंक कर्मियों को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

?? कार्यक्रम में बैंक कर्मियों को बैंक में आने वाले खाता धारकों को सायबर सुरक्षा के बारे में जानकारी देकर जागरूक करने का अनुरोध किया गया।

?? बैंक कर्मियों को बैंक में खाता खोलते समय की जाने की वाली सावधानियां व आवश्यक वैरीफिकेशन के संबंध में जानकारी दी गई।

?? म्यूल खाता खुलवाने वाले व्यक्तियों को चिन्हित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये।

ग्वालियर, जीएनएस।

प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री जयराज कुबेर(रापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेज, कोचिंग संस्थान तथा सार्वजनिक स्थानों पर निरंतर साइबर क्राईम जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दिनों दिन हो रहे नये साइबर अपराधों के बारे में जागरूक करने के लिए डीएसपी अपराध श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार व डीएसपी श्री मनीष यादव के मार्गदर्शन में आज दिनांक 31.10.2026 को साइबर क्राइम विंग के उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र शर्मा व आर0 सुमित भदौरिया के द्वारा बैंक ऑफ बडौदा रीजनल ऑफिस सिटी सेंटर ग्वालियर में सायबर सुरक्षा के बारे में बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों को जागरूक किया गया। सेमिनार में करीब 50 बैंक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उक्त सेमिनार में साइबर क्राइम विंग के उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा उपस्थित बैंक कर्मियों को बैंक में खाता खोलते समय की जाने की वाली सावधानियां व आवश्यक वैरीफिकेशन के संबंध में, सोशल मीडिया अकाउंट प्राइवेट न रखने, टू स्टेप वेरीफिकेशन न करने तथा बिना जाँचे किसी की भी मित्रता स्वीकार करने से होने वाली हानि एवं ख़तरों के बारे में बताया, साथ ही डिजिटल अरेस्ट जैसे स्केम, पार्ट टाइम जॉब के नाम पर होने वाली ठगी के बारें में बताया गया। सेमिनार में उन्होने कहा कि ट्रस्टेड वेवसाइड एवं ई-कॉमर्स कंपनियों से ही ऑनलाइन खरीददारी करें।

इस अवसर पर उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित बैंक कर्मियों को बैंक में म्यूल खाता खुलवाने वाले व्यक्तियों को चिन्हित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। उन्होने वर्तमान में पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराध संबंधी शिकायतों को साझा किया एवं मुख्यतः स्मार्ट फोन का उपयोग करते समय कौन-कौन सी सावधानियां बरतें इसके संबंध में बताया गया। साथ ही उन्होने सभी बैंक कर्मियों से अनुरोध किया कि बैंक में आने वाले खाता धारकों को भी सायबर सुरक्षा के बारे में जानकारी देकर जागरूक करें। इस अवसर पर उन्होने साइबर अपराधों से बचने के उपायों से भी अवगत कराया जाकर साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी गई।

अयोध्या-काशी यात्राः शिवपुरी स्टेशन के लिए 31 अक्टूबर को 03 बजे रवाना होंगी बसे

श्योपुर, जीएनएस।

धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्योपुर जिले के 262 तीर्थ यात्री 31 अक्टूबर से 05 नवंबर तक अयोध्या-काशी (वाराणसी) की तीर्थ यात्रा पर रहेंगे। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में यात्रियों को शिवपुरी स्टेशन तक पहुंचाने के लिए 6 बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यह बसे 31 अक्टूबर को श्योपुर-बडौदा के यात्रियों के लिए श्री रामतलाई हनुमान मंदिर श्योपुर पर उपलब्ध रहेगी और अपरान्ह 03 बजे शिवपुरी स्टेशन के लिए रवाना होंगी

इसके साथ ही विजयपुर-वीरपुर के यात्रियों के लिए बस तहसील कार्यालय विजयपुर में तथा कराहल के यात्रियों के लिए तहसील कार्यालय कराहल पर बस की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यहां से भी बसे शिवपुरी स्टेशन के लिए अपरान्ह 03 बजे रवाना होंगी। श्री रामतलाई हनुमान मंदिर श्योपुर से श्योपुर के 125 यात्री तथा बडौदा के 58 यात्री रवाना होंगे, इसके लिए 4 बसो की व्यवस्था की गई है। कराहल से 39 यात्रियों के लिए एक बस की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसी प्रकार तहसील कार्यालय विजयपुर से विजयपुर के 31 तथा वीरपुर के 09 यात्री बस द्वारा शिवपुरी के लिए रवाना होगे। यात्रियों को तीर्थ यात्रा से वापस लौटने पर शिवपुरी स्टेशन से वापस लाने के लिए भी बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। श्योपुर जिले के तीर्थ यात्रियों के साथ 5 अधिकारियों, कर्मचारियों को अनुरक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। नायब तहसीलदार श्री वीरेन्द्र सिंह बघेल मोबाइल नंबर 9977624321 को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही श्री विनोद भूषण पटवारी मोबाइल नंबर 8120260111, श्री भोलाराम गुप्ता पटवारी मोबाइल नंबर 7999850190, श्री कमल साय पैकरा पटवारी मोबाइल नंबर 9201751711 एवं श्री सत्यनारायण सेन कैम्प अटेंडर मोबाइल नंबर 9753677043 को सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है।

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।



दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंतत: किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है।

निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया की दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है। लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे। आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पड़ने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए। सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

आर्य समाज : है बलिदानी इतिहास हमारा : सामाजिक जागरण और राष्ट्रचेतना की पड़ताल

डॉ. राकेश कुमार आर्य

भारत के इतिहास को सिर्फ राजा-रजवाड़ों, सत्ता के खेल या आज़ादी की बड़ी घटनाओं के चश्मे से देखना काफी नहीं है। समाज की नस-नस में जो नए विचार दौड़े, जो धर्म-सुधार हुए और आम जनमानस में जो चेतना जगी, उसे समझे बिना इतिहास अधूरा है। उन्नीसवीं सदी में उठे सामाजिक और धार्मिक आंदोलनों ने कई पुराने सवालों को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया। इसी कड़ी में आर्य समाज का नाम बड़े अदब से लिया जाता है। डॉ. राकेश कुमार आर्य की सद्यः प्रकाशित कृति 'आर्य समाज ⁼ है बलिदानी इतिहास हमारा' इसी विमर्श को पूरी तरह से केंद्र में लाती है। यह सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि उस कड़े संघर्ष, वैचारिक मंथन और राष्ट्र-निर्माण की ज़मीनी हक़ीक़तों का एक खुला झरोखा है, जहाँ से हम आर्य समाज के योगदान को बिल्कुल साफ-साफ देख सकते हैं।

ग़ौरतलब है कि 1875 में जब महर्षि दयानंद ने आर्य समाज का बीज बोया, तब उनका इरादा महज़ एक नया संगठन खड़ा करने का हरगिज़ नहीं था। वे तो दरअसल वेदों की उस ठेठ रोशनी से उन दीमक लगी रवायतों को भस्म करना चाहते थे, जिन्होंने समूचे समाज को पंगु बना दिया था। उनकी इस आवाज़ का असर सिर्फ पूजा-पाठ या कर्मकांडों तक सिमट कर नहीं रह गया। तालीम का मैदान हो या आम जनजीवन, हर मोर्चे पर उनकी बातों ने गहरी चोट की। बाद में इस विचार से जुड़े तमाम लोगों ने ज़मीन पर उतरकर जमकर काम किया और अपने दायरे को गाँव-देहात तक फैला दिया। आज के दौर में इस आंदोलन की नब्ज़ टटोलना इसलिए भी लाज़िमी हो जाता है, जिससे हम अपनी असल जड़ों और आज की दौड़-भाग (आधुनिकता) के बीच एक सही पुल बाँध सकें।

पुस्तक का शीर्षक पढ़ते ही माजरा काफी हद तक साफ हो जाता है। इसमें साफ तौर पर उस तपस्या और शहादत की गूँज है, जिसने आर्य समाज के समूचे इतिहास की रूपरेखा गढ़ी। ज़ाहिर है, इसे हाथ में लेते ही पाठक के ज़ेहन में पहला सवाल यही कौंधता है कि उन घुटन भरे और विपरीत हालात में आखिर इन लोगों ने ऐसा कौन-सा जादू किया, जिसने पूरे समाज का रुख ही पलट कर रख दिया? हालांकि, एक सजग पाठक के नाते हमें यह भी याद रखना चाहिए कि इतिहास को सिर्फ तारीफों के ज़रिए नहीं तौला जाता। इसके लिए उस दौर की ज़मीनी हक़ीक़त, किरदारों के असल काम और पक्के सबूतों को कसौटी पर परखना पड़ता है। तभी हम किसी भी वैचारिक क्रांति का सच सामने ला पाते हैं।

आर्य समाज के सफर पर बात करते वक्त, समाज सुधार और राष्ट्रभक्ति के बीच बुने गए गहरे ताने-बाने को कतई नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हमारी आज़ादी की लड़ाई किसी एक विचार की मोहताज नहीं थी; इसमें कई अलग-अलग धाराओं ने अपना खून-पसीना एक किया था। आर्य समाज के कई पुरोधाओं ने कुरीतियों से लड़ने के साथ-साथ शिक्षा और राष्ट्रीय जन-जागरण में अपना सब कुछ झोंक दिया। इन बातों को गहराई से पढ़ने पर ही भारतीय इतिहास की वो असली तस्वीर साफ होती है, जो अमूमन धुंधली रह जाती है। हाँ, किसी भी व्यक्ति या संस्था का कद तय करते समय उनके दावों और ऐतिहासिक प्रमाणों के बीच एक साफ रिश्ता ज़रूर होना चाहिए।

डॉ. राकेश कुमार आर्य की यह किताब इसी ज़रूरी विमर्श की ओर हमारा ध्यान खींचती है। ऐसी किताबों की असली कामयाबी यही है कि वे हमें इतिहास के उन पन्नों को पलटने पर मजबूर कर दें, जिन पर आम तौर पर इतिहासकारों की नज़र कम जाती है। जब हम संस्थाओं, घटनाओं और उनसे जुड़े लोगों को एक साथ रखकर देखते हैं, तो बदलाव की असली तस्वीर उभर कर आती है। हालांकि, किताब के दावों, उसकी रिसर्च और तथ्यों की सच्चाई पर पक्की राय तभी बनाई जा सकती है, जब पाठक खुद इसमें दिए गए संदर्भों को बारीकी से खंगाले।

शहादत और संघर्ष की कहानियाँ हमारे देश के इतिहास में हमेशा से नाज़ुक विषय रही हैं। किसी महापुरुष या संगठन के योगदान को याद रखना जितना ज़रूरी है, उतना ही यह भी अहम है कि वह बात पुख्ता ऐतिहासिक सबूतों की बुनियाद पर खड़ी हो। कोरी भावुकता किसी मुद्दे के प्रति हमारा ध्यान तो खींच सकती है, लेकिन इतिहास की असल साख तो ठोस तथ्यों से ही तय होती है। अगर लेखक ने आर्य समाज के नायकों और उनके कामों का ब्योरा प्रामाणिक दस्तावेज़ों के सहारे पेश किया है, तो यकीनन यह किताब हर पाठक के लिए एक शानदार संदर्भ ग्रंथ साबित होगी। जहाँ स्रोत थोड़े कमज़ोर लगें, वहाँ एक ज़िम्मेदार समीक्षा का काम है कि वह पाठकों को अपनी तरफ से और ज़्यादा खोजबीन करने के लिए उकसाए।

किताब में हैदराबाद सत्याग्रह और गोवा मुक्ति आंदोलन जैसे बड़े ऐतिहासिक प्रसंग भी आते हैं। ऐसे मामलों में भी वैसी ही सावधानी बरतने की ज़रूरत है। इन जन-आंदोलनों की अपनी एक अलग राजनीतिक ज़मीन और पेचीदा हालात थे। अगर यह किताब इन संघर्षों में आर्य समाज की भूमिका का दावा करती है, तो उस भूमिका को तत्कालीन दस्तावेज़ों और भरोसेमंद ऐतिहासिक शोध के तराजू पर तौला जाना चाहिए। किसी आंदोलन का महज़ समर्थन करना, उसमें सीधे शामिल होना या फिर उसका नेतृत्व करना—ये तीनों बिल्कुल अलग बातें हैं। इन बारीकियों को समझे बिना कोई भी पाठक विशाल ऐतिहासिक कैनवस पर किसी एक संगठन की असली जगह तय नहीं कर सकता।

किसी भी ऐतिहासिक किताब को परखने का कोई एक तय पैमाना नहीं होता। भाषा और शैली के साथ-साथ यह भी देखना पड़ता है कि तथ्य कहाँ से जुटाए गए हैं। सरल और बिना लाग-लपेट वाली भाषा पाठक को आसानी से अपने साथ जोड़ लेती है, लेकिन घटनाओं की तारीखें, नाम और उनके संदर्भ किताब की प्रामाणिकता की जान होते हैं। अगर लेखक ने संदर्भ-सूची और अभिलेखागार के दस्तावेज़ों का सही हवाला दिया है, तो यह किताब सिर्फ आम पाठकों के लिए नहीं, बल्कि शोधार्थियों और इतिहास के गंभीर विद्यार्थियों के लिए भी काम की चीज़ बन जाती है। ज़ाहिर है, इस कृति की भाषा, बुनावट और शोध के तरीकों पर आखिरी मुहर तो इसे पूरा पढ़ने के बाद ही लगाई जा सकती है। इस किताब के बहाने एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि हम आज की पीढ़ी के सामने इतिहास को किस शक्ल में पेश कर रहे हैं। इतिहास पढ़ना सिर्फ गुज़रे हुए कल को रटना नहीं है; यह तो उन सामाजिक बदलावों, वैचारिक टकरावों और मुश्किल वक्त में लिए गए फैसलों को समझने की एक प्रक्रिया है। आर्य समाज जैसे आंदोलनों को पढ़ने से हमें यह सोचने का मौक़ा मिलता है कि कैसे कोई वैचारिक जागरण पूरे समाज की तकदीर बदल सकता है। ऐसे विमर्शों में सिर्फ उपलब्धियों के ही गीत न गाए जाएं, बल्कि तत्कालीन कमियों और वैचारिक मतभेदों को भी बेबाकी से सामने रखा जाए, तभी हमारी ऐतिहासिक समझ मुकम्मल होती है। कुल मिलाकर कहें तो, डॉ. राकेश कुमार आर्य की कलम से निकली यह कृति 'आर्य समाज ⁼ है बलिदानी इतिहास हमारा', उन तमाम पाठकों के लिए एक बेहद ज़रूरी दस्तावेज़ बन जाती है, जिनकी दिलचस्पी भारतीय समाज की बुनावट, धर्म-सुधार की लहर और राष्ट्र-निर्माण के उन पन्नों में है जिन पर अब तक कम ही बात हुई है। इस काम को पढ़ते या तौलते समय हमें इसके ऐतिहासिक पलड़े के साथ-साथ इस बात पर भी पैनी नज़र रखनी होगी कि तथ्य कितने बेलाग और निष्पक्ष हैं।

मोती सागर तालाब के सफाई अभियान का लिया जायजा, पिछोर में नवीन औद्योगिक क्षेत्र का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान 2026: कलेक्टर ने पिछोर क्षेत्र का किया भ्रमण

शिवपुरी जीएनएस

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत आज कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने पिछोर विकासखण्ड का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वच्छता, राजस्व योजनाओं और औद्योगिक गतिविधियों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कन्या आश्रम शाला का औचक निरीक्षण

दौरे की शुरुआत में कलेक्टर अर्पित वर्मा ने विकासखण्ड पिछोर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय कन्या आश्रम शाला, ढ़ला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शाला परिसर के पुस्तकालय, भोजन कक्ष एवं रसोई का बारीकी से जायजा लिया। व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के क्रम में उन्होंने जनपद सीईओ श्री नरवरिया को आश्रम परिसर में बिजली व्यवस्था शीघ्र ठीक करवाने के सख्त निर्देश दिए, ताकि छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने ग्राम पंचायत बदरवास का निरीक्षण किया, जहाँ



उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत हो रहे रजिस्ट्री कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों एवं आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र भी प्राप्त किए। संबंधित अधिकारियों से अद्यतन जानकारी लेते हुए रजिस्ट्री कार्यों में तेजी लाने तथा प्राप्त आवेदनों का समयसीमा के भीतर त्वरित व निराकरण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

नवीन औद्योगिक क्षेत्र के विकास एवं अवस्थापना कार्यों का गहन निरीक्षण : क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को गति देने तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार एवं निवेश के नए अवसरों को सृजित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने पिछोर के बदरवास ग्राम में नवीन विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्योग क्षेत्र में उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, बिजली, सड़क, पानी और प्लॉट आवंटन की भावी कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि औद्योगिक विकास से जुड़े सभी निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समयसीमा में पूरा किया जाए, ताकि नए उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन मिल सके।

एसजीएफआई संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-17 वर्ग में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

रोलर स्केटिंग में कुश ने जीते दो कांस्य पदक, गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल का बढ़ाया गौरव

शिवपुरी जीएनएस

गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल, शिवपुरी के होनहार छात्र कुश भार्गव ने रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक जीतकर विद्यालय सहित शिवपुरी जिले का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक आईटीएम ग्लोबल स्कूल, ग्वालियर में आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित की गई थी।



प्रतियोगिता के अंडर-17 वर्ग में हिस्सा लेते हुए कुश भार्गव ने अपनी प्रतिभा, गति, संतुलन और उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक अपने नाम किए। कुश की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए प्रबंधन ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के चेयरमैन महेंद्र सिंह अरोरा, डायरेक्टर महिपाल अरोरा, डायरेक्टर श्रीमती नीलम अरोरा एवं प्राचार्य श्रीमती कीर्ति चावला ने कुश भार्गव की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि कुश आगे भी इसी तरह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर विद्यालय एवं शिवपुरी का नाम रोशन करेंगे।

विभाग अथवा उपक्रम के लिए भूमि धारकों द्वारा भूमि हस्तांतरित करने के संबंध में आपत्ति आमंत्रित

शिवपुरी जीएनएस

राजस्व विभाग द्वारा विभाग अथवा उपक्रम के लिए भूमि क्रय करने हेतु भूमि धारकों द्वारा भूमि विभाग अथवा उपक्रम को हस्तांतरित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर में अपनी आपत्ति कार्यालय कलेक्टर भू-अर्जन शाखा के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है।

राजस्व विभाग द्वारा विभाग अथवा उपक्रम के लिए ग्राम शिवराज के भूमि खसरा नम्बर सिंचित कक्ष क्र.292 के भूमिस्वामी पवन आदिवासी, जय सिंह आदिवासी, छोटू आविासी एवं राजकुमार आविवासी को भूमि विभाग अथवा उपक्रम को हस्तांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार ग्राम कुम्हरौआ के भूमि खसरा नम्बर सिंचित कक्ष क्र.1076 के भूमिस्वामी प्रीती आदिवासी, श्रीमती रामकली आदिवासी, प्रहलाद सिंह आदिवासी, नेवाराम सिंह आदिवासी, राजवीर आदिवासी, राधा आदिवासी, लल्लो आदिवासी एवं प्राण सिंह आदिवासी तथा ग्राम केमखेड़ा के भूमि खसरा नम्बर सिंचित कक्ष क्र.289 के भूमिस्वामी कल्लू आदिवासी को भूमि विभाग अथवा उपक्रम को हस्तांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से जिले के 8 मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु 4.95 लाख की सहायता

शिवपुरी जीएनएस

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 में शिवपुरी जिले के 8 जरूरतमंद मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु कुल 4 लाख 95 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के आदेशानुसार संबंधितों को इस राशि का भुगतान कर दिया गया है।

इसके तहत तहसील बदरवास के ग्राम अमहारा निवासी श्रीमती कलिया बाई यादव को श्वास नली में सूजन से संबंधित बीमारी के इलाज हेतु 35 हजार रूपए की सहायता दी गई है। बूढाडोगर वार्ड नम्बर 1 बदरवास निवासी सुश्री सोनाली परिहार को पथरी के इलाज हेतु 25 हजार रूपए, ग्राम पचावली तहसील कोलारस निवासी सुमंत्रा जाटव को कैंसर के इलाज हेतु 65 हजार रूपए, ग्राम अम्हारा विकासखण्ड कोलारस निवासी श्री बंटी यादव को हृदय रोग के इलाज हेतु 20 हजार रूपए, ग्राम रिजोदी तहसील बदरवास निवासी श्रीमती सावित्री यादव को कैंसर के इलाज हेतु 75 हजार रूपए, ग्राम पंचायत लुकवासा तहसील कोलारस निवासी श्री विनोद रघुवंशी को गंभीर बीमारी के इलाज हेतु 75 हजार रूपए रूपए की सहायता दी गई है। इसी प्रकार ग्राम तिलातिली तहसील बदरवास निवासी श्रीमती राजकुमारी बाई कुशवाह को पति जगदीश कुशवाह की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के पश्चात 1 लाख रूपए की आर्थिक सहायता तथा ग्राम अम्हारा तहसील बदरवास निवासी श्रीमती रायश्री बाई यादव को फेंफड़ों एवं श्वास नली में गंभीर संक्रमण उपचार हेतु 1 लाख रूपए की सहायता राशि दी गई है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत उप संचालक कृषि ने किया कृषकों के खेतों एवं कृषि गतिविधियों का निरीक्षण

शिवपुरी जीएनएस। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आज शुक्रवार को उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य द्वारा विकासखंड पिछोर के कृषकों के खेतों एवं कृषि गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम भौंती में कृषक श्री रामगोपाल गुप्ता के खेत पर पहुंचकर अमरूद, आंवला एवं अन्य उद्यानिकी फसलों का उत्पादन जैविक तरीके तथा वर्मीकम्पोस्ट का अवलोकन किया गया। साथ ही कृषक द्वारा संचालित मूंगफली प्रसंस्करण इकाई का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान जैविक उत्पादन एवं कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषकों की आय में वृद्धि की संभावनाओं के संबंध में जानकारी दी गई।

कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में आयोजित हुई संगोष्ठी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त का हुआ अंतरण

शिवपुरी जीएनएस

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त के तहत देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,680 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि का हस्तांतरण, कृषि अवसंरचना कोष के अंतर्गत 521 इकाइयों को राष्ट्र को समर्पित करने तथा 12 हॉर्टिकल्चर क्लस्टर्स का शुभारंभ शुक्रवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी में कृषकों की सहभागिता के साथ आयोजित भव्य कृषि संगोष्ठी के माध्यम से दिखाया गया।

इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2026 से जारी खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत संतुलित उर्वरक प्रबंधन, प्राकृतिक खेती और उन्नत कृषि तकनीकों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही दलहनी फसलों एवं गेंहू की बुवाई के लिए उपयोगी उन्नत यंत्रों जैसे हैप्पी सीडर, जीरो टिल मशीन, सुपर सीडर एवं स्मार्ट सीडर इत्यादि के उपयोग के बारे में भी कृषकों को समझाया गया। संगोष्ठी के दौरान पिपरसमां के प्रगतिशील कृषक श्री अवधेश वर्मा ने उपस्थित किसानों और रावे छात्रों को अपने खेतों में अपनाई जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी से अवगत कराया।

नरवाई प्रबंधन पर हुई चर्चा : आयोजित कृषि संगोष्ठी के दौरान कृषि अभियांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा किसानों और रावे छात्रों को खेतों में नरवाई या पराली न जलाने तथा उसके उचित प्रबंधन की तकनीकों के बारे में जागरूक किया गया। सहायक कृषि यंत्री डॉ. भगवान सिंह नरवरिया द्वारा नरवाई मुक्त मध्यप्रदेश अभियान का शुभारंभ करते हुए इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी के प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न इस संगोष्ठी में डॉ. एम.के. भार्गव, डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. नीरज कुशवाहा एवं श्री सतेंद्र गुप्ता ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में 40 से अधिक किसानों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शासन की योजनाओं एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की।

संगठन,एकता और अनुशासन के प्रतीक सरदार वल्लभ भाई पटेल

कुमार कृष्णन

काम को पूजा मानना और जीवन की कठिनाइयों के बीच हास्यबोध बनाए रखना किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन में कर्मनिष्ठा, निर्भीकता और व्यावहारिक बुद्धि का ऐसा ही मेल दिखाई देता है।



उन्होंने साधारण किसान परिवार से निकलकर स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी पहचान बनाई और आजाद भारत की राजनीतिक एकता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। 31 अक्टूबर को उनकी जयंती पर उन्हें याद करना केवल एक महान नेता का स्मरण करना नहीं, बल्कि उस दृष्टि को समझना भी है, जिसने विविधताओं से भरे भारत को एक राजनीतिक सूत्र में बांधने का कठिन कार्य किया।

गुजरात के नडियाद में 31 अक्टूबर 1875 को झवेरभाई पटेल और लाडबाई के घर जन्मे वल्लभभाई का बचपन ग्रामीण परिवेश में बीता। खेती-किसानी, खेत-खलिहान और गांव के जीवन ने उनके व्यक्तित्व को गढ़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय लोकजीवन में रामायण और महाभारत की कथाओं से मिलने वाले संस्कारों के साथ श्रम, साहस और कर्तव्य का बोध उनके जीवन में रचा-बसा था। आगे चलकर वे वकालत के पेशे में आए और अपनी योग्यता के बल पर सफल वकील बने, लेकिन उनका जीवन व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं रहा। देश की परिस्थितियों ने उन्हें सार्वजनिक जीवन की ओर खींचा और उन्होंने अपनी ऊर्जा स्वतंत्रता आंदोलन के लिए समर्पित कर दी।

पटेल के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत की समस्याओं को जमीन से जुड़कर समझते थे। किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे कृषि और ग्रामीण समाज की कठिनाइयों से परिचित थे। खेड़ा सत्याग्रह में उनकी भूमिका ने उन्हें किसानों के बीच लोकप्रिय बनाया। फसल खराब होने के बावजूद लगान में राहत नहीं देने के औपनिवेशिक रवैये के विरुद्ध किसानों ने संगठित संघर्ष किया। पटेल ने गांव-गांव जाकर लोगों को एकजुट किया और उनमें यह विश्वास पैदा किया कि संगठित जनशक्ति अन्याय का मुकाबला कर सकती है।

बारडोली सत्याग्रह उनके सार्वजनिक जीवन का निर्णायक पड़ाव बना। 1928 में गुजरात के बारडोली क्षेत्र के किसानों ने बढ़े हुए लगान के खिलाफ आंदोलन किया। पटेल ने किसानों को अनुशासन, एकजुटता और अहिंसक प्रतिरोध का रास्ता अपनाने के लिए प्रेरित किया। आंदोलन की सफलता ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई और किसानों ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी। यह सम्मान किसी सत्ता या संस्था ने नहीं, बल्कि संघर्षरत जनता ने दिया था। उनके नेतृत्व की असली ताकत यही थी कि वे लोगों की समस्याओं को अपना प्रश्न बनाते और संघर्ष को ठोस परिणाम तक पहुंचाने का प्रयास करते थे। महात्मा गांधी के संपर्क में आने के बाद पटेल स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल हो गए। गांधीजी की अहिंसा और सत्याग्रह की नीति से प्रेरित होकर उन्होंने अनेक आंदोलनों को संगठित करने में भूमिका निभाई। हालांकि उनका स्वभाव गांधीजी से अलग था। गांधीजी नैतिक आग्रह और जनजागरण पर विशेष बल देते थे, जबकि पटेल संगठन, अनुशासन और व्यावहारिक निर्णयों के लिए जाने जाते थे। इन भिन्नताओं के बावजूद दोनों के बीच गहरा विश्वास था। स्वतंत्रता आंदोलन को जनाधार देने और कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में पटेल का योगदान उल्लेखनीय रहा।

15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ, लेकिन स्वतंत्रता के साथ विभाजन की त्रासदी, विस्थापन, सांप्रदायिक हिंसा और प्रशासनिक चुनौतियां भी सामने थीं। सबसे बड़ी समस्याओं में से एक थी देशी रियासतों का भविष्य। ब्रिटिश शासन के अंत के साथ सैकड़ों रियासतों के सामने भारत या पाकिस्तान में शामिल होने अथवा अलग रहने का प्रश्न खड़ा था। यदि ये रियासतें अलग-अलग राजनीतिक इकाइयों के रूप में बनी रहतीं, तो भारत की एकता और स्थिरता गंभीर संकट में पड़ सकती थी। स्वतंत्र भारत के पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में पटेल ने इस चुनौती का सामना किया। वी. पी. मेनन के सहयोग से उन्होंने रियासतों के शासकों के साथ संवाद, कूटनीति और परिस्थितियों के अनुसार दृढ़ कार्रवाई का सहारा लिया। अधिकांश रियासतों का भारतीय संघ में विलय उनके नेतृत्व की बड़ी उपलब्धि बना। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसे जटिल मामलों में भी उनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण रही। इस प्रक्रिया में तत्कालीन सरकार के अन्य नेताओं और अधिकारियों का योगदान भी था, लेकिन पटेल की राजनीतिक इच्छाशक्ति और निर्णय क्षमता ने एकीकरण को निर्णायक दिशा दी।

आज भारत का मानचित्र जिस व्यापक राजनीतिक एकता को दर्शाता है, उसके निर्माण में पटेल की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। उनकी दूरदृष्टि केवल रियासतों के विलय तक सीमित नहीं थी। वे समझते थे कि स्वतंत्रता को टिकाऊ बनाने के लिए सक्षम प्रशासनिक संस्थाएं जरूरी हैं। अखिल भारतीय सेवाओं के प्रति उनका समर्थन इसी सोच का परिणाम था। वे चाहते थे कि प्रशासनिक व्यवस्था देश की एकता, शासन की निरंतरता और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ पटेल के संबंधों को भी ऐतिहासिक संदर्भ में समझना चाहिए। महात्मा गांधी की हत्या के बाद फरवरी 1948 में संघ पर प्रतिबंध लगा और उस समय पटेल गृह मंत्री थे। संघ के साथ उनके पत्राचार तथा सार्वजनिक वक्तव्यों से स्पष्ट होता है कि वे राष्ट्रीय एकता, कानून के पालन और सांप्रदायिक सद्भाव को लेकर गंभीर थे। वे प्रतिबंध हटाने के प्रश्न पर संगठन के आचरण और सुधारों को महत्व देते थे। उनके दृष्टिकोण को किसी संगठन के प्रति अंधसमर्थन या स्थायी विरोध के रूप में प्रस्तुत करना इतिहास को सरल बनाकर देखने जैसा होगा। पटेल के लिए किसी भी संगठन की स्वीकार्यता उसके आचरण और देश के प्रति जिम्मेदारी से जुड़ी थी। उनके जीवन से यह सीख मिलती है कि राजनीतिक मतभेदों के बीच भी संवाद और संवैधानिक मर्यादा का महत्त्व बना रहना चाहिए। पटेल की निर्भीकता का अर्थ केवल कठोर निर्णय लेना नहीं था। वे परिस्थितियों का व्यावहारिक आकलन करते, उपलब्ध विकल्पों पर विचार करते और फिर निर्णय लेने से पीछे नहीं हटते थे। कश्मीर सहित स्वतंत्रता के बाद के अनेक प्रश्नों पर तत्कालीन नेतृत्व के भीतर अलग-अलग विचार थे। इन जटिल मुद्दों को किसी एक व्यक्ति की सफलता या विफलता में समेट देना उचित नहीं होगा। इतिहास को उसके समय, परिस्थितियों और सामूहिक निर्णयों के संदर्भ में देखना चाहिए। फिर भी राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक एकता के प्रति पटेल की प्रतिबद्धता निर्विवाद थी। आज उनकी जयंती पर सबसे जरूरी सवाल यह है कि हम उनकी विरासत को किस रूप में ग्रहण करते हैं। सरदार पटेल का नाम केवल प्रतिमाओं, स्मारकों और सरकारी आयोजनों तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनकी किसान पृष्ठभूमि हमें याद दिलाती है कि राष्ट्र निर्माण का आधार ग्रामीण समाज और मेहनतकश जनता भी है। किसानों की आजीविका, ग्रामीण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा की समस्याओं को हल किए बिना मजबूत भारत का सपना अधूरा रहेगा। जिस नेता ने किसानों के बीच संघर्ष करके जनविश्वास अर्जित किया, उसकी स्मृति का सम्मान किसानों की वास्तविक कठिनाइयों को समझने और उनका समाधान खोजने में भी दिखाई देना चाहिए। पटेल की दृढ़ता से प्रेरणा लेने का अर्थ यह नहीं कि संवाद की जगह कठोरता और असहमति की जगह एकरूपता को स्थापित किया जाए। मजबूत राष्ट्र वही होता है, जिसकी संस्थाएं सक्षम हों और जिसके नागरिक अपने अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति सजग हों।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन बताता है कि बड़े राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए केवल भावनाएं पर्याप्त नहीं होतीं। उसके लिए संगठन क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति, अनुशासन, दूरदृष्टि और जनविश्वास की आवश्यकता होती है। उन्होंने किसान आंदोलन से लेकर रियासतों के एकीकरण तक अपने कर्म से यह सिद्ध किया कि दृढ़ संकल्प और व्यावहारिक बुद्धि मिलकर इतिहास की दिशा बदल सकते हैं।

उनकी जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम भारत की एकता को न्याय, समानता और नागरिक सम्मान से जोड़ें। सरदार पटेल की विरासत किसी एक दल या विचारधारा की संपत्ति नहीं, बल्कि उस साझा राष्ट्रीय प्रयत्न का हिस्सा है, जिसके बल पर भारत एक स्वतंत्र और एकजुट गणराज्य बना।

पराली को लेकर पाण्डोला में किसानों से चर्चा

श्योपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा आज ग्राम पाण्डोला में धान उत्पादक किसानों से चर्चा करते हुए उन्हें पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया गया तथा कृषि यंत्रो के माध्यम से खेतो में पराली का प्रबंधन किये जाने की समझाइश दी गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, तहसीलदार श्री सुरेश राठौर, एसएडीओ कृषि श्री शरद रघुवंशी आदि उपस्थित रहें।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने किसानों से चर्चा के दौरान कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पराली प्रबंधन के लिए निशुल्क रूप से बेलर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिसके माध्यम से किसान बंधु अपने खेतो में बगैर पराली जलाये पराली का प्रबंधन कर सकते है, इसके लिए दूरभाष क्रमांक भी जारी किये गये है तथा कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि बेलर की निशुल्क उपलब्धता के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों से भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से कृषि यंत्रों की खरीद पर अनुदान भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने सभी किसानों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि पराली जलाने के नुकसान ही नुकसान है, लाभ कुछ भी नही है। प्रशासन द्वारा किसानों को पूरी तरह से सहयोग प्रदान किया जा रहा है, इसलिए किसान बंधु भी प्रशासन की इस मुहिम में सहयोग प्रदान करें और पराली को न जलायें। उन्होंने कहा कि कंम्बाइन हार्वेस्टर के माध्यम से धान की कटाई में एसएमएस का उपयोग किया जा सकता है, इसके लिए स्ट्रा रीपर के माध्यम से भूसा भी बनाया जा सकता है।

उन्होंने किसानों को जानकारी दी कि सीवीजी प्लांट तथा पेलेट्स बनाने वाले प्लांट्स के संचालको से चर्चा कर जिले में बेलरों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, इन बेलर संचालको द्वारा निशुल्क रूप से पराली को काटकर गठ्ठे बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पराली जलाने की घटनाओं को प्रतिबंधित कर जुर्माना लगाने का प्रावधान भी किया गया है। पराली जलाने वाले किसानों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्जकर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है।



सरदार पटेल की जयंती पर माधव महाविद्यालय ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

ग्वालियर, जीएनएस।

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल को याद कर रहा है । भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, सम्प्रभुता एवं सामाजिक स?द्भाव के प्रति जन जागरूकता विकसित करने के उ?द्देश्य से माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा राष्ट्रीय एकता शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. राजेन्द्र बांदिल, माधव महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा जिला संगठक ,राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ मनोज अवस्थी ,दोनों कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय एवं डॉ. सरिता दीक्षित के साथ ही महाविद्यालय के अन्य अनेक प्राध्यापक महाविद्यालय उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन मेंप्रो. बांदिल ने राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति और समाज आएंगे जाएंगे किंतु अपने मूल्यों और अपने नैतिक कर्तव्यों के माध्यम से इस राष्ट्र के प्रति समर्पण को सदैव बनाए रखने की आवश्यकता है। सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता एवं कुशल नेतृत्व से देश की अनेक रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई । इसी कारण उन्हें भारत के लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है। प्राचार्य डॉ शर्मा ने अपने संबोधन में स्वधर्म पालन की बात कही । हमें अपने दैनिक जीवन में नागरिक कर्तव्य का पालन करते हुए स्वबोध की ओर बढ़ना चाहिए । विद्यार्थियों को देश की एकता, अखंडता, सामाजिक स?द्भाव एवं राष्ट्रहित के प्रति सदैव जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्राध्यापकगण, कर्मचारी सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने तथा देशवासियों के बीच आपसी भाईचारा सद्भाव और एकता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आज ही सेवानिवृत हुए श्री अतर सिंह को भावभीनी विदाई भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ मंदाकिनी शर्मा ने एवं आभार डॉ मनोज अवस्थी ने व्यक्त किया।

तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

श्योपुर, जीएनएस।

भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त जिलों में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किये जाने के क्रम में कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय पर 31 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे पीजी कॉलेज पाली रोड से पटेल चौक तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जायेगा। जिसमें शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, युवा, खिलाडी, विद्यार्थी सहित अधिकारी, कर्मचारी भाग लेंगे। लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाये जाने के क्रम में आयोजित रन फॉर यूनिटी के समापन अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली जायेगी। रन फॉर यूनिटी आयोजन की तैयारियों को लेकर अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा, महाविद्यालय, खेल विभाग, नगरपालिका, यातायात पुलिस के अधिकारी मौजूद रहें। अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय ने शिक्षा विभाग एवं महाविद्यालय तथा जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये।

ग्वालियर एआई सम्मेलन 2.0 का सफल समापन; विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के औद्योगिक अनुप्रयोगों, डिजिटल उद्यमिता एवं भविष्य की तकनीकों पर किया मंथन

ग्वालियर, जीएनएस।
अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में आयोजित दो दिवसीय ग्वालियर एआई सम्मेलन 2.0 का शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 29 एवं 30 अक्टूबर को आयोजित इस सम्मेलन में शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवीनतम विकास, उसके विभिन्न अनुप्रयोगों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों पर अपने विचार साझा किए। एप्पल, अमेरिका के श्री श्रनिथ लिंगा ने ऑनलाइन माध्यम से ÷फ्रॉम कैंपस टू प्रोडक्शन- लेसन्स फ्रॉम बिल्डिंग एआई सिस्टम्स इन इंडस्ट्री÷ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि उद्योगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मॉडल लागू करने के लिए केवल बेहतर मॉडल बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आँकड़ों की गुणवत्ता, प्रणाली संरचना, विश्वसनीयता, निगरानी, सुरक्षा और लागत जैसे पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मॉडल पूरी प्रणाली का केवल एक हिस्सा होता है तथा वास्तविक समस्याओं को समझना और गुणवत्तापूर्ण आँकड़े तैयार करना औद्योगिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सेवानिवृत्त वन महानिदेशक डॉ. दिलीप कुमार ने ÷एआई इन फॉरेस्ट एंड वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट इन इंडिया÷ विषय पर व्याख्यान



दिया। उन्होंने भारत में वन एवं वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता, तकनीकी नवाचारों तथा पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण में इसकी संभावनाओं पर प्रकाश डाला। भारत-टैप के निदेशक श्री प्रखर शिवहरे ने ÷एआई इन ऑनलाइन बिजनेस- फ्रॉम ऑटोमेशन टू रियल ग्रोथ÷ विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने ऑनलाइन व्यवसाय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, बहुभाषी बिक्री प्रणाली, चौबीसों घंटे उपलब्ध कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वॉइस एजेंट, क्यूआर कोड के माध्यम से ग्राहक समीक्षाओं तथा व्हाट्सऐप के माध्यम से उत्पाद संबंधी जानकारी और बिक्री जैसे व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता ऑनलाइन व्यवसायों में स्वचालन के साथ-साथ वास्तविक व्यावसायिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

फिलिप्स इंडिया में बुद्धिमान प्रणालियों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वास्तुशिल्प प्रमुख श्री वैभव शर्मा ने उद्योगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, बुद्धिमान प्रणालियों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकी समाधानों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका और विभिन्न तकनीकी प्रणालियों में इसके उपयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। टॉपर्स ग्रेड, ग्वालियर की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण-विधि विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर की पूर्व संकाय सदस्य डॉ. मनीषा शर्मा ने ÷इंडियन विजडम / एआई / होलिस्टिक ग्रोथ÷ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भारतीय पारंपरिक ज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समन्वय से विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सहायित शिक्षण की अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने विद्यार्थियों की व्यक्तिगत सीखने की आवश्यकताओं एवं कमियों की पहचान, उनके अनुरूप शिक्षण सामग्री और अभ्यास उपलब्ध कराने तथा शिक्षकों की सक्रिय भूमिका को बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उद्देश्य केवल अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, एकाग्रता, आत्म-जागरूकता और स्वतंत्र रूप से सीखने की क्षमता विकसित करना भी होना चाहिए। आइआइटीटीएम निदेशक प्रो. प्रशांत गौतम तथा अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान के डॉ. राहुल कला ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. राहुल कला ने ÷रोबोट मोशन प्लानिंग, रीइन्फोर्समेंट एंड इमिटेशन लर्निंग फॉर रोबोटिक्स, ऑटोनॉमस व्हीकल्स÷ विषय पर व्याख्यान देते हुए रोबोटिक्स एवं स्वायत्त वाहनों में रोबोट गति नियोजन, पुनर्बलन अधिगम और अनुकरण अधिगम की भूमिका पर चर्चा की।

31 मार्च 2027 तक हर हाल में पूरा करें चंबल से पानी लाने की योजना का कार्य : सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह

ग्वालियर, जीएनएस।
सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने चंबल से ग्वालियर पानी लाने की महत्वाकांक्षी योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का संपूर्ण कार्य 31 मार्च 2027 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि दिसंबर माह में वे स्वयं मौके पर पहुंचकर योजना के तहत किए जा रहे निर्माण कार्यों का भौतिक निरीक्षण करेंगे।

समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों ने सांसद श्री कुशवाह को अवगत कराया कि चंबल से पानी लाने की योजना के तहत अब तक लगभग 25 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष कार्य तेजी से किया जा रहा है। सांसद श्री कुशवाह ने योजना के कार्य में आ रही विभिन्न बाधाओं की भी जानकारी ली। इस दौरान एमपीआरडीसी एवं राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) से संबंधित लंबित समस्याओं पर चर्चा की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर इन समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि योजना के कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। बैठक में नगर निगम के अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव, कार्यपालन यंत्री श्रीमती शालिनी सिंह, श्री शिशिर श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महाराज के प्रयासों से 6 साल में ग्वालियर को मिले हजारों करोड़ के विकास प्रोजेक्ट : गिर्राज

दीपावली के शुभ अवसर पर 30 अक्टूबर शुक्रवार को अपने निर्धारित प्रवास कार्यक्रम के पांचवे दिन भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर ग्रामीण के पूर्व जिला मंत्री, एवं वार्ड क्रमांक 66 के पार्षद गिर्राज सिंह गुर्जर ने 14 ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के तानसेन मंडल के बेहट , अरोरा, हरजनपुरा, लोहारपुरा, बेंदीपुरा, आरी , गूंजना, इकोहना, गडरोली, चक दगियापुरा, दगियापुरा, मढ़ा, रनगमा, घुसगमा, टिकटोली आदि 15 से अधिक ग्रामों में सघन जनसंपर्क कर क्षेत्र वासियों को दिवाली की शुभकामनाएं प्रेषित कर नव वर्ष के केलेंडर वितरित किए। इस अवसर पर विभिन्न गांवों में बैठकों को संबोधित करते हुए गिर्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि 2020 से हम सबके नेता श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया की पहल पर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा ग्वालियर के लिए हजारों करोड़ के विकास प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए है। महाराज सिंधिया के बिजन की ये सभी विकास परियोजनाएं



एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, एलिवेडिट रोड, आईएसबीटी, पश्चिमी बायपास, ग्वालियर आगरा एक्सप्रेस वे और टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन उक्त सभी के पूर्ण आकार लेने पर अगले दो-तीन सालों में हमारा ग्वालियर विकसित महानगरों की श्रेणी में खड़ा हो जाएगा। वही इन विकास परियोजनाओं का शहर के साथ-साथ ग्वालियर ग्रामीण को सबसे अधिक लाभ मिलने जा रहा है, इसलिए हम सबका दायित्व है आगामी दिनों में यशस्वी गृह मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की आधार शिला रखी जाएगी उस अवसर पर हम बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाएं।

पार्क विभाग ने डिवाइडरों एवं रोड किनारे कराई सफाई

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर के पार्क विभाग द्वारा शहर के डिवाइडरों एवं सड़क किनारे के क्षेत्रों की साफ-सफाई, व्यवस्थित रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है।नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेष बंसल ने जानकारी देने हुये बताया कि निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देषन में पार्क विभाग द्वारा निरंतर डिवाइडरों की साफ सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत आज विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित स्थलों पर उद्यान विभाग की टीम के माध्यम से कार्य कराया गया। इसके तहत उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार सिंह राजावत द्वारा पुरानी छावनी से मोती झील तक रोड डिवाइडर पर, उद्यान पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुशवाहा द्वारा दीनदयाल नगर में महाराजा कॉम्पलेक्स से सिंधिया स्टैचू की ओर रोड डिवाइडर एवं रोड किनारे पर, उद्यान पर्यवेक्षक श्री राजकुमार नागर द्वारा सिटी सेंटर रोड डिवाइडर एवं अधिक ऊंचाई वाले पेड़ों की छटाई का कार्य कराया गया, उद्यान पर्यवेक्षक श्री रवि पाराशर द्वारा 1000 बिस्तर अस्पताल रोड डिवाइडर पर गुड़ाई का कार्य कराया गया।

निगमायुक्त ने की कर्मचारी संगठनों से चर्चा

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर में कार्यरत विनियमित कर्मचारियों एवं आउटसोर्स श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आज नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने संयुक्त मोर्चा, कर्मचारी यूनियन एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की।

बाल भवन में आयोजित बैठक में कर्मचारी संगठनों द्वारा नगर निगम में कार्यरत विनियमित कर्मचारियों एवं आउटसोर्स श्रमिकों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने हेतु अधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी दी तथा कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया। निगमायुक्त श्री चौधरी ने कर्मचारी संगठनों के साथ चर्चा कर आवष्यक समस्याओं को सुना और उन पर गंभीरता पूर्ण विचार के उपरांत शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों को दिया। बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर एवं श्री मुनीष सिकरवार उपस्थित रहे।

चार क्षेत्रों में दबिश देकर 9,700 किलोग्राम गुड़ लहान नष्ट किया, अनुमानित कीमत लगभग 9 लाख रुपए

ग्वालियर, जीएनएस।
जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने डबरा, भितरवार एवं मोहना क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान कुल 9,700 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद कर मौके पर नष्ट किया गया। नष्ट किए गए गुड़ लहान की



अनुमानित कीमत लगभग 9 लाख रुपए है। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 10 प्रकरण दर्ज किए गए।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार, आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से प्राप्त सूचना एवं नियमित गश्त के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई। डबरा क्षेत्र में एसडीएम श्रीमती नवकिरण कौर (आईएएस) के नेतृत्व में प्रशासन एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम गुंजार में जमीन में बने गड्ढों से लगभग 2,500 किलोग्राम तथा ग्राम चिरूली में 1,100 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया। दोनों स्थानों पर सैंपल लेकर शेष गुड़ लहान मौके पर ही नष्ट किया गया। इसी प्रकार भितरवार क्षेत्र के ग्राम दुवा दुबई स्थित कंजर डेरे से टंकियों एवं ड्रमों में रखा लगभग 4,500 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद कर सैंपल लेने के बाद नष्ट किया गया।



पांच किलो गांजे के साथ अल्टो कार चालक दबोचा

गुना, जीएनएस।

शहर की केंट थाना पुलिस ने अल्टो कार में गांजा तस्करी करते नशे का सौदागर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 5.093 किलोग्राम गांजा एवं तस्करी में प्रयुक्त कार सहित 4.25 लाख का मशरूका जप्त किया है। वहीं स्मैक के क्रय, विक्रय व सेवन करने वाले 19 सदस्यीय सिंडीकेट का शेष फरार अंतिम आरोपी भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गत शाम पुलिस को दो खम्बा के आगे बिलोनिया चक जाने वाले रास्ते पर सामने से आ रही एक अल्टो कार के चालक ने पुलिस वाहन को देखते ही अचानक अपनी कार वापस मोडक़र भागने का प्रयास किया। कार चालक की किसी संदिग्ध गतिविधि को भांपते हुए पुलिस टीम ने तत्परता से उसका पीछा किया और कार को रोक लिया गया। पूछताछ में कार चालक ने अपना नाम संतोष पुत्र शिवराम अग्रवाल निवासी ग्राम मझोला थाना सिरसी जिला गुना का



बताया। पुलिस टीम द्वारा संदेह के आधार पर कार की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें से 5.093 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से बरामद गांजा अनुमानित कीमत करीब 1.25 लाख तथा गांजा तस्करी में प्रयुक्त अल्टो कार क्रमांक एमपी 33-6585 कीमत करीब 03 लाख रूपये सहित कुल 4.25 लाख रूपये मूल्य का मशरूका विधिवत जप्त कर आरोपी संतोष अग्रवाल को गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध केंट थाने में अपराध क्रमांक 1010/26, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

आरोपी के गांजा तस्करी के अन्य स्रोत, उसके क्रय-विक्रय तथा इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य संभावित नेटवर्क के संबंध में पुलिस द्वारा विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्यवाही के क्रम में वर्ष 2025 में स्मैक के क्रय, बिक्रय उसके सेवन करने वाले सिंडीकेट से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे अंतिम आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसमें 11-12 मई 25 की दरम्यानी रात पटेलनगर रेलवे अंडरपास पर स्मैक का सेवन करते हुए 5 व्यक्तियों को केंट थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इस कार्यवाही में शहर में स्मैक के क्रय-विक्रय एवं सेवन करने वाले कुल 15 आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए बड़े सिंडीकेट का खुलासा किया गया था। प्रकरण की विस्तृत विवेचना के दौरान इस अवैध कारोबार में कुल 19 आरोपियों की संलिप्तता सामने आई थी। केंट थाना पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुए पूर्व में 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था, जबकि गिरोह का एक अंतिम आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस की ओर से फरार आरोपी की लगातार तलाश एवं गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे। जिसके क्रम में गत दिवस को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस कार्यवाही करते हुए फरार अंतिम आरोपी श्रीप्रसाद उर्फ सिरिया उर्फ श्रीलाल पुत्र दयाराम कोरी निवासी सिसौदिया कॉलोनी गुना को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने एक दर्जन ठगी के लोगों को वापस कराए पैसे

गुना, जीएनएस।

साइबर ठगी के विरुद्ध गुना पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी है। पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार 12 और आवेदकों के 50,212 रूपये वापस कराए हैं। साइबर सेल टीम की त्वरित तकनीकी कार्यवाही एवं संबंधित बैंकिंग संस्थानों के साथ समन्वय के परिणामस्वरूप निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 13 और आवेदकों अशोक कुमार, विमलेश्वर यादव, हरिओम केवट, सुनील ओझा, सोनम खान, अभिषेक, दिलीप धाकड़, प्रमोद जाटव, गोलू लोधा, चिंटूलाल अहिरवार, यश श्रीमाल, बड़ेराज सिंह एवं निखिल के साथ हुई साइबर ठगी के प्रकरणों में कुल 50,212/-रूपये की धनराशि उनके बैंक खातों में वापस कराई गई। इस कार्यवाही में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक जुबेर खान के नेतृत्व में आरक्षक कुलदीप यादव, आरक्षक कुलदीप भदौरिया, आरक्षक भूपेन्द्र खटीक, आरक्षक अभय रघुवंशी एवं महिला आरक्षक पूजा गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सड़क पर कचरा फैंकने पर रिलायंस मार्ट एवं होटल आइवरी से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बार-बार समझाने के बाद भी सड़क पर कचरा फैकने, जलाने एवं गंदगी फैलाने से नही मानने वालो के खिलाफ निरंतर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देषानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ निरंतर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देषन में जॉन 13 वार्ड 58 चेतकपुरी में सड़क पर गंदगी फैलाने पर रिलायंस मार्ट पर 1500 एवं होटल आइवरी पर 3000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री जगदीष चितोडिया, जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ आदि उपस्थित रहे।

शारदे नवरात्रि मेले के सफल आयोजन पर जिला प्रशासन ने पत्रकारों के साथ मनाया दशहरा मिलन समारोह

मैहर, जीएनएस।

मां शारदा की पावन नगरी मैहर में शारदे नवरात्रि मेले का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद जिला प्रशासन द्वारा पत्रकारों के सम्मान एवं आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया गया। जनपद पंचायत मैहर के सभाकक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर विदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, अपर कलेक्टर रोशन राय, एसडीएम दिव्या पटेल एवं तहसीलदार जितेंद्र पटेल ने मैहर के पत्रकारों से रूबरू होकर संवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर विदिशा मुखर्जी एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह सहित उपस्थित अधिकारियों ने



शारदे नवरात्रि मेले के सफल आयोजन में पत्रकारों द्वारा किए गए सहयोग की सराहना करते हुए सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने कहा कि मेले जैसे बड़े आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन, पुलिस विभाग, विभिन्न विभागों के साथ-साथ मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। पत्रकारों ने अपनी सकारात्मक सहभागिता से मेले की व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने मैहर के समस्त पत्रकारों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके सहयोग की प्रशंसा की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन के पश्चात जिला प्रशासन के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कपिल मिश्रा ने पत्रकार साथियों के साथ मां शारदा मंदिर पहुंचकर विधिवत दर्शन किए। इस दौरान मां शारदा से मैहर जिले के विकास, सुख-समृद्धि एवं भविष्य में भी जिला प्रशासन और पत्रकारों के बीच इसी प्रकार बेहतर समन्वय एवं सहयोग बनाए रखने की कामना करते हुए आशीर्वाद मांगा।

दशहरा मिलन समारोह के माध्यम से जिला प्रशासन और पत्रकारों के बीच आपसी संवाद, समन्वय एवं सौहार्द की एक अच्छी मिसाल देखने को मिली। इस कार्यक्रम में ये पत्रकार साथी रहे शामिल देवेश शर्मा, अखिलेश अग्रवाल, सत्य प्रकाश कुशवाहा, रामकुमार रजक, संतोष रजक बब्लू भैया, अल्ताफ खान, दीपक सोनी,शनि जायसवाल, प्रकाश सोनी,दीपक बढौलिया, अभिषेक तिवारी, संजय गौतम, अनिल कुशवाहा, हामिद पठान, श्रीनिवास चतुर्वेदी लल्लू महाराज,शुभम शुक्ला,बाला साहू, पुरषोत्तम पुरी,दादू राम विश्वकर्मा,श्रयांश सोनी, अनिल प्यासी, दिनेश यादव सहित आदि पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन के पास फिर हादसा, GRP लाइन थाने के नजदीक ट्रक की टक्कर से महिला घायल!

ग्वालियर रेलवे स्टेशन पुल के पास GRP लाइन थाने के नजदीक एक सड़क हादसा सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य में लगा सीमेंट का ट्रक एक महिला को टक्कर मार बैठा। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रक चालक को पकड़कर थाने में बैठा लिया।

आखिर ग्वालियर में सड़क हादसों पर कब लगेगी रोक? आए दिन ट्रक और बसों की लापरवाही से हादसे सामने आ रहे हैं। यातायात और पुलिस विभाग कब इन भारी वाहनों पर सख्त कार्रवाई करेगा?

सवाल यही है–आखिर कब जागेगा प्रशासन?

?? *ग्वालियर रेलवे स्टेशन के पास फिर हादसा, तत्रक्क लाइन थाने के नजदीक ट्रक की टक्कर से महिला घायल! ग्वालियर रेलवे स्टेशन पुल के पास तत्रक्क लाइन थाने के नजदीक एक सड़क हादसा सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य में लगा सीमेंट का ट्रक एक महिला को टक्कर मार बैठा।

अपर आयुक्त ने की ग्वालियर पूर्व विधानसभा के संपत्ति कर वसूली की समीक्षा

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा के संपत्ति कर वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित कर चालू वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप शत-प्रतिशत संपत्ति कर वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री राव ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा अंतर्गत राजस्व निरीक्षकों से अपने अपने क्षेत्र के संपत्ति कर वसूली की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रभावी कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि संपत्ति कर वसूली की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और बकायेदारों से संपर्क कर राजस्व वसूली में तेजी लाई जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में प्राप्त किया जा सके।

अवैध आतिशबाजी के निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध थाना झाँसी रोड़ पुलिस की कार्यवाही

ग्वालियर, जीएनएस।

दीपावली एवं आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री जयराज कुबेर के निर्देशानुसार जिले में अवैध एवं प्रतिबंधित पटाखों के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 30.10.2026 को थाना झांसी रोड पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि भैरो बाबा मंदिर के सामने गड्ढे वाले मोहल्ले में एक व्यक्ति के मकान में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर उनकी बिक्री की जा रही है।

उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर से अति. पुलिस अधीक्षक ग्वालियर डॉ. शिवेश सिंह बघेल द्वारा थाना झॉसीरोड़ पुलिस की टीम को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी विश्वविद्यालय श्री शैलेन्द्र शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरभि शर्मा द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर बताए गए मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मकान के पीछे वाले कमरे में अलमारी एवं चारपाई के नीचे से बड़ी मात्रा में पटाखे एवं पटाखे बनाने की सामग्री व बारूद रखी हुई मिली।

पुलिस टीम द्वारा मौके पर मकान में उपस्थित महिला हसीना बानो पत्नी दुले खां उम्र 57 वर्ष निवासी भैरो बाबा मंदिर के सामने गड्ढे वाला मोहल्ला, नाकाचंद्रवदनी ग्वालियर से पटाखे रखने, बनाने एवं बेचने के संबंध में वैध लाइसेंस मांगा गया, लेकिन उसके द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। पुलिस द्वारा मौके से 11 प्लास्टिक की पन्नियों में रखे कुल 55 नग काशीराम पटाखे, 19 नग हाथ से बने बड़े पटाखे, एवं पटाखे बनाने की अन्य सामग्री विधिवत की गई जप्त।

आरोपिया हसीना बानो द्वारा बिना वैध लाइसेंस के अपने मकान में पटाखे, बारूद एवं पटाखे बनाने की सामग्री का अवैध रूप से भंडारण करना पाए जाने पर उसके विरुद्ध थाना झॉसीरोड़ में धारा 9(ख)(1),9(ख)(2) विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

जप्त विस्फोटक सामग्री- 55 नग काशीराम पटाखे, 19 नग हाथ से बने बड़े पटाखे, एवं पटाखे बनाने की अन्य सामग्री व बारूद कुल जप्त मशरूका कीमती लगभग 15 हजार रूपये।

थाना गिजोर्रा पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही

कंजर डेरा में अवैध शराब बनाने के ठिकाने पर गिजोर्रा पुलिस की दबिश, 900 लीटर गुड़ लहान मौके पर किया नष्ट

ग्वालियर, जीएनएस।

प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री जयराज कुबेर के निर्देश पर जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थ तथा अवैध शराब की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 30.10.2026 को थाना गिजोर्रा पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र स्थित कंजर डेरा में हाथ भट्टी से अवैध कच्ची शराब बनाई की जा रही है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिस पर एसडीओपी डबरा श्री सौरभ कुमार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गिजोर्रा उप निरी. उपेन्द्र सिंह धाकड़ द्वारा पुलिस टीम के साथ कंजर डेरा पर दबिश दी गई।

कंजर डेरा के पास पुलिस को जमीन में बने गड्ढे में रखे 04 ड्रम गुड़ लहान के भरे मिले, जिसमें लगभग 900 लीटर गुड़ लहान भरा था। पुलिस द्वारा मौके पर ही 04 ड्रमों में भरे गुड़ लहान को नष्ट किया गया।

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गिजोर्रा उप निरी. उपेन्द्र सिंह धाकड़, प्र.आर. किशन भदौरिया, प्र.आर. राजेन्द्र, आर. रितेश, आर. ऋषि कौरव की सराहनीय भूमिका रही।

स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर निगम ग्वालियर पूरी तरह गंभीर है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के सख्त निर्देशों के बाद, स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ निरंतर और प्रभावी जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्ण रेखा नदी को प्रदूषण मुक्त रखने और इसकी स्वच्छता बनाए रखने के लिए निगम द्वारा विशेष मॉनिटरिंग कर नदी के आसपास लगातार निगरानी रखी जा रही है। अभियान के तहत अब तक शहर के विभिन्न वार्डों में लापरवाही बरतते हुए नदी में कचरा डालने वाले कुल 53 लोगों से कुल 25,150 रुपये का जुर्माना वसूला गया है।

दैनिक श्रमसाधना
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित
www.shramsadhnanews.com

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत 4 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र दिये

जनसंवाद के दौरान पराली न जलाने का संकल्प

श्योपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में नगरपरिषद बडौदा के तत्वाधान में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समुदाय द्वारा हाथ उठाकर पराली न जलाने का संकल्प लिया गया। इसके साथ ही पोषण जोड़ो-पुड़िया छोड़ो अभियान के तहत पोषण स्वास्थ्य, बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दो पर भी समुदाय के साथ चर्चा करते हुए उन्हें जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि पराली जलाने के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से गांव-गांव में किसानों के बीच जागरूकता शिविर आयोजित किये जा रहे है, इसके साथ ही आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से पराली प्रबंधन के संबंध में अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को खेतों में पराली प्रबंधन करने के लिए निशुल्क रूप से बेलर भी उपलब्ध कराये जा रहे है। सभी प्रकार का सहयोग जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा प्रदान किया जा रहा है, इसमें सभी किसानों को भी साथ देने की आवश्यकता है। पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि यह न केवल पर्यावरण की दृष्टि से हानिकारक है, बल्कि पराली जलने से होने वाला धुआ सांस के माध्यम से फेफडो तक जाकर लोगों के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति और उपजाऊ क्षमता को भी कम करता है, पराली जलाने के नुकसान अधिक है, इसलिए पराली न जलाकर उनका प्रबंधन कृषि यंत्रो के माध्यम से सुनिश्चित किया जायें। इस अवसर पर उन्होंने पराली जलाने वाले किसानों पर वैधानिक कार्यवाही अंतर्गत जुर्माने के प्रावधान से भी अवगत कराया।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने पोषण जोडो-पुडिया छोडो अभियान के तहत कहा कि पोषण स्वास्थ्य के प्रति सजगता जरूरी है। इस अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सभी सहयोग करते हुए तम्बाकूयुक्त उत्पादों का त्याग करने के लिए लोगों को प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए ग्राम स्तर पर भी समितियों का गठन किया जा रहा है। इस अवसर पर बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दे पर भी समुदाय के साथ सकारात्मक चर्चा भी हुई।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा नगरपरिषद कार्यालय परिसर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से वन टू वन चर्चा करते हुए उनकी मांगो ओर समस्यों का समाधान किया गया। इसके साथ ही योजनाओं में लाभ का वितरण करने की कार्यवाही की गई। जनसंवाद के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम श्री गगन सिंह मीना, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, नगरपरिषद अध्यक्ष श्रीमती भरोसी बाई सुमन, उपाध्यक्ष श्री दारा सिंह बंजारा, पूर्व नगरपरिषद अध्यक्ष डॉ गोपाल आचार्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री जगदीश चौहान, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री जगदीश गौड, सांसद प्रतिनिधि श्री राजू सुमन, पार्षदगण श्री बद्री सोनी, श्री भारत भूषण बैरवा, श्री महावीर नागर, श्रीमती मनीषा जाटव, वरिष्ठ पार्षद श्रीमती संगीता शर्मा सहित अन्य पार्षदगण तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित रहें।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा नागरिकों की ओर से प्रमुख मांगों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देशन प्रदान किये गये, इस अवसर पर बडौदा में 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल की सुविधा के संबंध में अधिकारियों को मांग अनुसार भौगोलिक स्थिति तथा स्वास्थ्य मानको के अनुरूप परीक्षण कराने हेतु निर्देशित किया गया। वाल्मिकी बस्ती में नाला व सडक निर्माण के संबंध में नगर परिषद के अधिकारियों को सर्वे कराने तथा मांग अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार नगरपरिषद बडौदा अंतर्गत मौजूद प्लाट और मकानों की संपदा 2.0 पोर्टल पर लोकेशन के सुधार के संबंध में पीओ डूडा और रेवेन्यू अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही क्रियेटिव श्योपुर के क्रम में क्रियेटिव बडौदा चेप्टर शुरू करने की मांग पर एसडीएम श्री गगन सिंह मीना को कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिये गये।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत हितग्राही श्रीमती मधु बाई वार्ड क्रमांक 02, श्री रामहेत सुमन वार्ड 13, श्रीमती कांती आदिवासी वार्ड 14 तथा श्रीमती मनभर बाई वार्ड क्रमांक 04 को दो-दो लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये।

जनसंवाद के दौरान बालिका माही सोनी पुत्री श्री रजत सोनी, काव्या सुमन पुत्री श्री राजेन्द्र सुमन, दिव्यांशी कुशवाह पुत्री श्री धीरेन्द्र कुशवाह को लाडली लक्ष्मी याजना अंतर्गत लाभान्वित किया गया।

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 09 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 शहरी के तहत आवास स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये। इसके अंतर्गत श्रीमती शमीम बानों वार्ड 10, श्रीमती सीमा रजक वार्ड 15, श्री चंदा राव वार्ड 14, श्री नरोत्तम नागर वार्ड 15, श्री दीपू सुमन वार्ड 15, श्रीमती शानू परवीन वार्ड 13, श्रीमती कला बाथम वार्ड 14, श्री गिर्राज सुमन वार्ड 15 एवं श्रीमती द्वारिका बाई वार्ड 14 को लाभान्वित किया गया। जनसंवाद के दौरान वार्ड 09 निवासी श्रीमती वर्षा गुप्ता, वार्ड 11 निवासी श्रीमती फोरंती सुमन, वार्ड 14 निवासी श्रीमती मीना जाट को मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया गया। इसी के साथ वार्ड 01 निवासी श्री श्यामबाबू को वृद्धावस्था पेंशन योजना अंतर्गत लाभान्वित कर स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

संयुक्त संचालक श्री मनवानी को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल, जीएनएस।

जनसंपर्क संचालनालय में संयुक्त संचालक श्री अशोक मनवानी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। श्री मनवानी 31 अक्टूबर 2026 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे है। शासकीय अवकाश होने से एक दिवस पूर्व शुक्रवार को समारोह पूर्वक श्री मनवानी को विदाई दी गई।

श्री मनवानी ने 2 दिसंबर 1988 से जनसंपर्क विभाग में सेवाएं देते हुए लगभग 38 वर्षों के सेवाकाल में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने लंबे समय तक मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ में मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी के रूप में कार्य किया। शासकीय दायित्वों के साथ ही साहित्य एवं लेखन के क्षेत्र में भी उनकी विशेष रुचि रही है। वे सिंधी भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और



संवर्धन के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। विदाई समारोह में श्री मनवानी की दीर्घकालीन सेवाओं और जनसंपर्क विभाग में उनके योगदान का स्मरण किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय सेवानिवृत्त जीवन की कामना की।

संचालक जनसंपर्क को भेंट की पुस्तक 'जनसंपर्क में चार दशक का सफ़र'

संचालक जनसंपर्क श्री अरविंद दुबे को श्री अशोक मनवानी ने अपनी पुस्तक ÷जनसंपर्क में चार दशक का सफ़र÷ (1987 से 2026) भेंट की। पुस्तक में श्री मनवानी ने जनसंपर्क के क्षेत्र में अपने लगभग चार दशकों के अनुभवों और सेवा यात्रा को संजोया है।

समारोह में अपर संचालक श्री जी.एस. वाधवा, श्री संजय जैन सहित पूर्व अपर संचालक श्री जे.पी. कौशल, पूर्व संयुक्त संचालक श्री राजेश मलिक, श्री राजा दूबे, पूर्व उप संचालक श्री दिनेश मालवीय सहित संचालनालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश के 55 जिलों में तेजी से बिछ रहा सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क अब तक 3.88 लाख पीएनजी कनेक्शन स्थापित

भोपाल, जीएनएस।

मध्यप्रदेश सरकार नागरिकों को सुरक्षित, पर्यावरण हितैषी और किफायती रसोई ईंधन उपलब्ध कराने के लिए राज्यभर में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (ष्टत्तष्ठ) नेटवर्क का तीव्र विस्तार कर रही है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि जहां पर पीएनजी नेटवर्क है वहां पर नागरिक पारंपरिक एलपीजी सिलेंडर के स्थान पर आधुनिक पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन लें। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की विकासोन्मुख नीतियों के चलते प्रदेश में अब तक 3.88 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शन स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही वाहनों के लिए 433 सीएनजी स्टेशन भी क्रियाशील किए जा चुके हैं।

सुरक्षा, बचत और सुविधा का सटीक विकल्प है पीएनजी

मंत्री श्री राजपूत ने पीएनजी के फायदों को रेखांकित करते हुए कहा कि यह प्रणाली घरेलू उपभोक्ताओं के जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ अत्यंत सुरक्षित और किफायती है।

सर्वोच्च सुरक्षा- भूमिगत पाइपलाइनों से कम दबाव पर निरंतर गैस आपूर्ति के कारण भारी सिलेंडर रखने या बदलने का झंझट खत्म होता है। प्राकृतिक गैस हवा से हल्की होने के कारण किसी भी लीकेज की स्थिति में वातावरण में तेजी से फैल जाती है, जिससे आगजनी का खतरा न्यूनतम रहता है।

24×7 निर्बाध आपूर्ति व सटीक बिलिंग- %नो-बुक-नो-वेट% सुविधा के तहत उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे सीधी आपूर्ति मिलती है। बिजली बिल की तर्ज पर केवल वास्तविक उपभोग (मीटरिंग) का ही भुगतान करना पड़ता है।

आर्थिक बचत- प्रति यूनिट ऊर्जा के आधार पर पीएनजी पारंपरिक एलपीजी से सस्ती है।

पर्यावरण व स्वास्थ्य सुरक्षा- स्वच्छ ईंधन होने से घरों के भीतर धुआं या प्रदूषण नहीं फैलता, जिससे इनडोर एयर क्वालिटी बेहतर बनी रहती है।

खाद्य मंत्री ने बताया कि 14 फरवरी 2025 को लागू की गई 'मध्यप्रदेश शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क विकास एवं विस्तार नीति 2025' के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश के 55 जिलों को कवर करने वाले 25 भौगोलिक क्षेत्रों में 10 सीजीडी संस्थाएं तीव्र गति से कार्य कर रही हैं।

मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के नियमों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि जिन क्षेत्रों में पीएनजी अधोसंरचना (पाइपलाइन) उपलब्ध करा दी गई है, वहां संबंधित नागरिकों को नोटिस प्राप्ति के 90 दिनों के भीतर पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य है। निर्धारित समय में कनेक्शन न लेने पर संबंधित उपभोक्ता की एलपीजी आपूर्ति बंद करने का वैधानिक प्रावधान है।

'सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित'

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति, भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। श्रीमद्भागवत पुराण चारों वेदों, अठारह पुराणों और उपनिषदों के सार को समाहित करने वाला पवित्र ग्रंथ है। भागवत कथा मनुष्य को जीवन, मृत्यु, कर्म और सदाचार का वास्तविक अर्थ समझाती है। धर्म और अध्यात्म की इस अविरल धारा से जुड़ना हम सभी का सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को गोटेगांव में पूज्य गोपीठाधीश्वर महंत श्री बिपिन बिहारी दास जी महाराज की उपस्थिति में यहाँ आयोजित श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनुष्य को परमात्मा ने जो जीवन और सांसें प्रदान की हैं, उनका सदुपयोग अच्छे कर्मों और श्रेष्ठ संस्कारों के लिए करना चाहिए। जन्म और मृत्यु परमात्मा की व्यवस्था का हिस्सा हैं। हमारी संस्कृति में मानव जीवन के कर्तव्यों और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का गौरव विश्वभर में स्थापित हो रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परमपूज्य महाराजश्री के



दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सामाजिक बुराइयों को दूर करने और धार्मिक वातावरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश की 19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी का निर्णय लिया है। सरकार का प्रयास है कि समाज को व्यसन और अन्य बुराइयों से मुक्त बनाने के लिए हरसंभव पहल की जाए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध सफलता के बाद अब वर्ष 2029 तक ड्रग्स और नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया है, ताकि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखा जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्याय मनुष्य को कर्म, कर्तव्य और जीवन को श्रेष्ठ मार्ग पर ले जाने की प्रेरणा देते हैं। इसी भाव से प्रदेश में गीता जयंती को व्यापक स्तर पर मनाने की पहल की गई है। गांवों के साथ नगरीय निकायों में भी गीता भवनों के निर्माण का संकल्प लिया गया है, ताकि धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नर्मदा मिशन के माध्यम से परिक्रमा पथ का विकास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत परिक्रमवासियों के लिए विश्राम स्थल, घाट उन्नयन और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही मां नर्मदा के जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए जल शुद्धीकरण की व्यवस्थाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एक वृंदावन गांव विकसित करने की पहल की गई है। इन गांवों में देसी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन को प्रोत्साहित किया जाएगा। साहीवाल, गिर और स्थानीय नस्ल की गायों के पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत देसी गाय पालने वाले पशुपालकों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता देने की पहल भी की जा रही है। इससे गोपालन, प्राकृतिक खेती और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

दैनिक श्रमसाधना
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित
www.shramsadhnanews.com

2003 से पहले भोपाल पहुंचने में लगते थे 12 घंटे, स्थापना दिवस समारोह में गिनाई प्रदेश की उपलब्धियां

ग्वालियर से भोपाल का सफर अब 4 घंटे में, प्रदेश की सड़कें हुईं शानदार : कुशवाह

ग्वालियर, सुरेश डंडौतिया

ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश में सड़कों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2003 से पहले ग्वालियर से भोपाल पहुंचने में 12 घंटे से अधिक समय लगता था, जबकि अब यह दूरी मात्र चार घंटे में तय हो जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सड़क, बिजली, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

सांसद कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार विकसित भारत और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए प्रयासरत हैं।

शहर की सड़कों की बदहाली पर सवाल : सांसद के प्रदेश की शानदार सड़कों के दावे के बीच ग्वालियर की सड़कों की स्थिति भी चर्चा का विषय है। शहरवासियों के सामने सड़कों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। बारिश के दौरान शहर में दर्जनों स्थानों पर सड़कें धंस गई थीं और दो से पांच फीट तक गहरे गड्ढे हो गए थे। सड़कों की खराब स्थिति को लेकर हाईकोर्ट भी प्रशासन को उन्हें दुरुस्त करने की सख्त हिदायत दे चुका है। ऐसे में प्रदेश की बेहतर सड़कों के दावों के बीच शहर की सड़कों को सुधारने की चुनौती बरकरार है।



अहिरवार जाटव समाज के समारोह में ग्राम रिछरा पहुंचे पूर्व गृहमंत्री

चुनाव के बाद जनता के बीच नजर नहीं आते कांग्रेसी नेता : डॉ. नरोत्तम मिश्रा

दतिया जीएनएस

मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा रविवार को अपने एक दिवसीय दतिया प्रवास के दौरान अहिरवार जाटव समाज द्वारा आयोजित समारोह में शामिल होने ग्राम रिछरा पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने उनका फूलों की माला पहनाकर एवं तुलादान कर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए विपक्षी दल की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के नेता चुनाव के दौरान बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, जनता से बड़े-बड़े वादे करते हैं और भाजपा पर संविधान बदलने जैसे आरोप



लगाते हैं, लेकिन विकास के मुद्दे पर उनकी भूमिका स्पष्ट नजर नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव समाप्त होते ही कांग्रेस के नेता कहां चले जाते हैं, इसका जनता को पता ही नहीं चलता।

पूर्व गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता चुनाव के समय जनता के बीच पहुंचकर समर्थन मांगते हैं, लेकिन चुनाव के बाद जनसमस्याओं के समाधान और जनसेवा के लिए उनकी सक्रियता दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का निराकरण करना और क्षेत्र का विकास करना होना चाहिए।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के कार्य हो रहे हैं तथा मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार जनसेवा और विकास को प्राथमिकता देकर कार्य कर रही है। उन्होंने भाजपा सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने डॉ. नरोत्तम मिश्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा के कई जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत दतिया में प्रमुख नागरिक गोष्ठी आयोजित



दतिया जीएनएस

रतन वाटिका, दतिया में ÷लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान÷ के अंतर्गत दतिया विधानसभा की प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में पूर्व संगठन मंत्री श्री वेद प्रकाश शर्मा, पूर्व संगठन मंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी आशुतोष तिवारी, भाजपा जिला अध्यक्ष माघवेंद्र सिंह परिहार, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. रामजी खरे, पूर्व जिलाध्यक्ष गुरुदेवशरण गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह बुंदेला, मुकेश मुडोतिया एवं दयाल सिंह गुर्जर सहित अनेक वरिष्ठ नागरिक एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों, जनहित एवं समसामयिक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से गोष्ठी में संगठनात्मक विषयों को नई दिशा मिली। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन, संगठन की शक्ति और नागरिकों की सहभागिता ही लोकतंत्र की मजबूती का आधार है।

सभी थाना क्षेत्रों में संदिग्धों और वाहनों की सघन चेकिंग

त्योहारों को लेकर अलर्ट मोड पर ग्वालियर पुलिस, बाजारों और संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त

ग्वालियर जीएनएस

आगामी त्योहारों को देखते हुए ग्वालियर पुलिस ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलेभर में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रभारी पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों और उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित की जा रही है।

इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों



ने थाना प्रभारियों और पुलिस जवानों के साथ पैदल भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पैदल गश्त के दौरान भीड़भाड़ वाले बाजारों, धार्मिक स्थलों, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने जवानों को निर्देश दिए कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

वाहनों की जांच, संदिग्धों से पूछताछ : पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध परिस्थितियों में घूमने वाले व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही है। इसके साथ ही प्रमुख मार्गों और चौराहों पर वाहनों की जांच कर आवश्यक पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस अधिकारी और कर्मचारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। इसका उद्देश्य असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना और त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकना है।

व्यापारियों और नागरिकों से किया संवाद : पैदल भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजन और व्यापारियों से संवाद कर त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। पुलिस ने नागरिकों से कहा कि वे अपने आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों के प्रति सतर्क रहें।

॥ पुण्यतिथि ॥
तेरहवीं पुण्यतिथि
दिनांक: 02.11.2026
विनम्र श्रद्धांजलि
श्रद्धेय स्व.
डॉ. सत्यपाल मंधान जी



जीवन पथ पर प्रेरणा हो आप
यादों में बहुतेरानुमा, अहसास हो आप
अब पास नहीं तो क्या हुआ
हमारे साथ हो आप....
श्रद्धानवत:
श्रीमती कौशल्या देवी (पत्नी), डॉ. संजय मंधान-डॉ. अर्चना मंधान (पुत्र-पुत्रवधू), संगीता-इंजी. भूषण गोखलानी, डॉ. डौली-राजेश लखानी (IAS) (पुत्री-दामाद) इंजी. भगतराम मंधान, डॉ. शिवाजी मंधान, सी.ए. गोपी मंधान, अमरलाल मंधान (भ्रातागण), नीरज, विश्वास, जतिन मंधान (भतीजे), हितेश मंधान (पौत्र)
प्रतिष्ठान : • ग्वालियर ग्लोरी हाईस्कूल
• जी. मंधान एण्ड एसोसिएट्स (सी.ए.) • बॉम्बे ब्यूटी स्टोर
ATUL

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।